चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 248, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 7 अक्तूबर 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

वर्ष 2022 में पिछले चार दशकों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा और मौतों की सबसे कम घटनाएं देखी गईं: शाह, नक्सलवाद मानवता के लिए अभिशाप

देश से खत्म होगा नक्सलवाद...

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि दो साल में देश से वामपंथी उग्रवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, शाह ने यह भी कहा कि वर्ष 2022 में पिछले चार दशकों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा और मौतों की सबसे कम घटनाएं देखी गईं। उन्होंने कहा, "नक्सलवाद मानवता के लिए अभिशाप है और हम इसे इसके सभी रूपों में उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

कई राज्यों के मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने बैठक में लिया हिस्सा

अधिकारियों ने कहा कि नक्सल प्रभावित राज्यों में हिंसक घटनाओं में 2010 की तुलना में 2022 में 77 प्रतिशत की कमी आई है। समीक्षा बैठक में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस भी शामिल हुए। वहीं ओडिशा, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्य के मंत्रियों ने किया।

वामपंथी हिंसा में लगातार आई गिरावट: अधिकारियों ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश में वामपंथी सुरक्षा स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र सरकार ने 2015 में 'एलडब्ल्यूई से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' को मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने कहा कि नीति में सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास हस्तक्षेपों, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने आदि को शामिल करते हुए एक बहु-आयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि इस नीति के दृढ़ कार्यान्वयन से देश भर में वामपंथी हिंसा में लगातार गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी हिंसा में सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौत की संख्या भी 2010 की तुलना में 2022 में 90 प्रतिशत कम हो गई है। गृह मंत्रालय द्वारा तैयार आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 2014 के बीच वामपंथी उग्रवाद से संबंधित 17,679 घटनाएं हुईं और 6,984 मौतें हुईं। इसके विपरीत, आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 से 2023 (15 जून 23 तक) तक 7,649 वामपंथी उग्रवाद से संबंधित घटनाएं और 2,020 मौतें हुई हैं।

आतंकी घटनाओं की संख्या कम हुई

एनआइए द्वारा आयोजित दो दिवसीय आतंकवाद निरोधी सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने हमेशा आतंकवाद को लेकर जीरो टालरेंस की नीति अपनाई है और उसका ही नतीजा है कि आज आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में आतंकी घटनाओं की संख्या छह हजार थी जो 2022 में घटकर 900 रह गई हैं। पिछले नौ वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में जम्मू-कश्मीर ने विकास और शांति की एक नई सुबह देखी है। अमित शाह ने जून 2004 से मई 2014 तक तत्कालीन सरकार और मोदी सरकार के जून 2014 से अगस्त 2023 के बीच हुई आतंकी घटनाओं के तुलनात्मक आंकड़े पेश किए। जिसकी तुलना में मोदी सरकार के दौरान आतंकी घटनाओं में 70 प्रतिशत, इनमें नागरिकों की मृत्यु में 81 प्रतिशत और सुरक्षा बलों के जवानों की मृत्यु में 48 प्रतिशत की कमी आई है। शाह ने साफ किया कि अब आतंकवाद के पूरे ईकोसिस्टम को खत्म करने का समय आ गया है और एजेंसियों को इसके लिए रणनीति पर काम करना चाहिए।

ईकोसिस्टम की जरूरत

आतंकवाद पर काफी हद तक लगाम लगाने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने इसके पूरे ईकोसिस्टम को सख्ती से कुचलने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में कोई आतंकी संगठन खड़ा ही न हो पाए, इसके लिए सभी आतंकरोधी एजेंसियों को सख्त रुख अपनाना होगा। उन्होंने एनआइए, एटीएस और एसटीएफ जैसी एजेंसियों को आतंकी घटनाओं की जांच के दायरे से निकलकर आतंकवाद को जड़मूल से खत्म करने पर काम करने की सलाह दी।

महिला जजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि उत्साह बढ़ाने वाली: चीफ जस्टिस

नई दिल्ली

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ के कार्यक्रम में कहा था कि न्यायपालिका में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। अब भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि महिला जजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि उत्साह बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा, यह देशव्यापी चलन है। शुक्रवार को सीजेआई ने कहा, हम कुछ खुशखबरी साझा करना चाहते हैं। यहां अदालत कक्ष में महाराष्ट्र के सिविल जज जूनियर डिवीजन के 75 न्यायाधीश हैं। 75 जजों के बैच में से 42 महिलाएं और 33 पुरुष हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ मामले की सुनवाई के लिए बेंच में बैठे सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, "यह चलन पूरे देश में दिख रहा है। महिला न्यायाधीशों की संख्या अधिक है।"

वरिष्ठ वकीलों ने भी कहा- महिलाओं की संख्या बढ़ाना जरूरी: न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि वह दोपहर के भोजन के दौरान महिला न्यायाधीशों सहित सभी न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात का प्रयास करेंगे। चीफ जस्टिस की टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे समेत कुछ वकीलों ने सीजेआई से शीर्ष अदालत में महिला

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की अपील की।

तराई के क्षेत्र में ईको पर्यटन के विकास की अपार

पीलीभीत को सीएम योगी ने दी 248 करोड़ की सौगात

सौगात

26 परियोजनाओं का शिलान्यास लोकार्पण, विशेष विमान से शुक्रवार को पीलीभीत पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

पीलीभीत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीलीभीत के मुस्तफाबाद गेस्ट हाउस पहुंचकर वन्य जीव सप्ताह का समापन किया। उन्होंने पीलीभीत को 248 करोड़ की 26 परियोजनाओं की सौगात दी। उनका शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर वन विभाग के कई अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तराई के क्षेत्र में ईको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। चूका से लेकर कर्तनिया घाट, दुधवा और अमानगढ़ तक ईको टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है। वन विभाग ने 10 वेटलैंड विकसित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य का अस्तित्व जीव जंतु और जल पारिस्थितिकी तंत्र पर टिका हुआ है।

भारतीय मनीषा में ही धरती को माता कहा है और हम सब इसके पुत्र हैं। जीव होने के नाते हम सभी का सह अस्तित्व है। जीव पालतू हो या जंगली। सब सह अस्तित्व पर निर्भर करते हैं। जीव जंतुओं और पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट होगा तो मनुष्य के अस्तित्व पर भी संकट आ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के लिए प्रयासरत है। हम सभी का विकास कर रहे हैं।

दोगुनी हुई पीटीआर में बाघों की संख्या : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने संयुक्त सर्वे किया है। सर्वे में पीलीभीत टाइगर रिजर्व को प्रथम ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 25 बाघ थे। 2018 में बढ़कर इनकी संख्या 65 हुई है। राज्य में 173 बाघ थे। अब यूपी में 205 से अधिक बाघ हैं।

वन्यजीवों से होने वाली जनहानि को किया आपदा घोषित, पांच लाख मुआवजा: मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018-19 में मुझे दुधवा जाना पड़ा था। प्रकृति में संतुलन होने पर मानव एवं वन्यजीवों में संघर्ष होता है।

पीएम को गरीबों का अधिकार नहीं छीनना चाहिए: खरगे

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार (6 अक्टूबर) को कहा कि गांवों में लोग मनरेगा के तहत काम की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन प्रधानमंत्री कांग्रेस की आलोचना करके चुनावी राज्यों में अपनी कमियों को छिपा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पेपर लीक, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार की आलोचना करने के एक दिन बाद

आई है। पीएम ने कहा था कि कांग्रेस को राजस्थान के लोगों की नहीं, केवल अपने वोट बैंक की परवाह है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जितना चाहें कांग्रेस की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन उन्हें गरीबों का अधिकार नहीं छीनना चाहिए।

एटा में फूड प्रोसेसिंग के लिए भूमि आवंटित

लखनऊ

प्रदेश में औद्योगिक विस्तार के लिए प्रयासरत योगी सरकार विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भूखंडों की ई नीलामी को रफ्तार दे रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा अपने औद्योगिक क्षेत्रों में लगातार प्लाट्स का ई-ऑक्शन किया जा रहा है। 05 अक्टूबर को ई-नीलामी के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओ के लिए 68 भूखण्डों का आवंटन किया गया। इनमें जिन औद्योगिक समूहों के साथ एमओयू हुआ है उन्हें भी प्लॉट्स आवंटित हुए हैं।

ईरान की नरगिस मोहम्मदी को मिला शांति का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम

साल 2023 का नोबेल शांति पुरस्कार ईरान की मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को दिया गया। नरगिस मोहम्मदी को ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई और मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। बता दें कि नोबल पुरस्कार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। इससे पहले गुरुवार को नॉर्वेजियन लेखक जॉन फॉसे को साहित्य क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया। जॉन फॉसे को उनके नए नाटकों और गद्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो अनकही को आवाज देते हैं।

'अवॉर्ड मोहम्मदी के साथ पूरे आंदोलन के काम को मान्यता देता है'

नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने कहा, "यह पुरस्कार सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण ईरान में अपने निर्विवाद नेता नरगिस मोहम्मदी के साथ पूरे आंदोलन के बहुत महत्वपूर्ण काम को मान्यता देता है।" पुरस्कार के प्रभाव पर निर्णय करना नोबेल समिति का काम नहीं है। हमें उम्मीद है कि यह आंदोलन जिस भी रूप में ठीक लगे, काम जारी रखने के लिए एक प्रोत्साहन है।"

नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद

नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद हैं। नरगिस मोहम्मदी इस समय ईरान की जेल में बंद हैं।

अब तक 40 लोगों की मौत; लापता जवानों की तलाश जारी

सिक्किम में जल प्रलय से हाहाकार

सिक्किम

सिक्किम में बादल फटने की वजह से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से सेना के 6 जवानों समेत 19 लोगों की मौतें हो गई है। वहीं, बाढ़ में अबतक 23 सेना के जवानों के साथ में 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं। बाढ़ से राज्य में भारी पैमानें पर नुकसान हुआ है। इस बीच सेना के लापता जवानों को खेजने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं।

गुवाहाटी में डिफेंस के पीआरओ ने बताया कि लापता भारतीय सेना के जवानों की तलाश जारी है।

पीआरओ ने कहा, " खोज अभियानों में मदद के लिए टीएमआर दल (तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू), ट्रैकर कुत्ते, विशेष राडार जैसे अतिरिक्त संसाधन लाए गए हैं।

सेना उत्तरी सिक्किम में फंसे लोगों को भोजन दे रही

लापता सेना के जवानों को खोजने के अलावा भारतीय सेना उत्तरी सिक्किम में फंसे लोगों और पर्यटकों को भोजन, चिकित्सा सहायता और संचार सुविधाओं में मदद कर रही है। पीआरओ डिफेंस ने बताया, "हम तीस्ता बैराज के निचले इलाकों में लापता सैनिकों की तलाश कर रहे हैं। सिंगताम के पास बुरदांग में घटना स्थल पर सेना की गाड़ियों को खोदकर निकाला जा रहा है और सामानों को बरामद किया जा रहा है।

ओडिशा में चक्रवात को लेकर 45 दिनों के लिए अलर्ट जारी

ओडिशा: ओडिशा में चक्रवात को लेकर राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है। इसको लेकर राज्य सरकार ने शुक्रवार को बड़े स्तर पर बैठक कर 45 दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। बता दें कि ओडिशा में अक्तूबर और नवम्बर महीने को चक्रवात काल कहा जाता है क्योंकि पिछले कई वर्षों से इन दिनों ही दस्तक देता है। इस बीच एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को मुख्य सचिव पीके जेना ने चक्रवात को लेकर बड़ें स्तर पर बैठक की। इसमें कलेक्टर और सचिव अधिकारियों को 10 अक्तूबर से 45 दिनों के लिए अलर्ट जारी करते हुए तैयारियां और व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चक्रवात दक्षिण पश्चिम से 10 अक्तूबर तक वापस हो सकता है: बैठक में भुवनेश्वर के मौसम विभाग के निदेशक एचआर विश्वास ने भी भाग लिया। इस दौरान सरकार को जानकारी देते हुए विश्वास ने कहा कि चक्रवात दक्षिण पश्चिम से 10 अक्तूबर तक वापस हो सकता है। चक्रवात बंगाल की खाड़ी में 45 दिनों तक ही स्थिर रहते हैं। पिछले साल भी चक्रवात राज्य में 45 दिनों तक ही बने थे, इसलिए 10 अक्तूबर से राज्य में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

1500 किमी लंबा राजमार्ग बनाने की योजना बना रहा अरुणाचल

ड्रैगन पर भारी पड़ेगा फ्रंटियर हाइवे

तवांग

अरुणाचल प्रदेश सरकार 1500 किमी लंबा मार्ग बनाने की योजना बना रही है। इसे फ्रंटियर हाइवे के नाम से जाना जाएगा। इसका निर्माण भारत-तिब्बत-चीन-म्यांमार सीमा पर किया जाएगा। यह वास्तविक नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से महज 20 किमी दूर होगा।

सेना के लिए उपयोगी होगा फ्रंटियर हाइवे

इसके साथ ही प्रदेश के दूरदराज इलाकों को जोड़ने के लिए एक हजार किमी सड़क बनाने की योजना है। यह जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि फ्रंटियर हाइवे की सामरिक रूप से काफी

अहमियत है। यह अरुणाचल प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगा। यह सेना के लिए भी उपयोगी होगा। फ्रंटियर हाइवे बोमडिला से शुरू होकर नफरा, हुरी और मोनिगोंग से होकर गुजरेगा। हाइवे का अंत भारत-म्यांमार सीमा पर विजयनगर पर समाप्त होगा। इस हाइवे से तवांग, मागो ऊपरी सुबनसिरी, ऊपरी सियांग, मेचुका, तूच्तग, दिबांग वैली, किबिथू, चांगलांग और डोंग जैसे महत्वपूर्ण स्थान जुड़ेंगे।

'सीमावर्ती क्षेत्रों से रुकेगा पलायन'

योजना के अनुसार, यह हाइवे निमाणार्धीन ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग से भी जुड़ेगा। ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग लगभग 1,811 किमी लंबा दो-तरफा राष्ट्रीय राजमार्ग मानक ट्रंक मार्ग है और यह अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी सिरे पर तवांग को दक्षिण-पूर्वी में कनुबारी से जोड़ता है।

शिवराज ने दी करोड़ों रुपये के निर्माण व विकास कार्यों की सौगात

रतलाम

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने रतलाम जिले में 2620 करोड़ रुपये लागत के 42 कार्यों का भूमिपूजन तथा 166 करोड़ रुपये लागत के 33 कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जावरा में 35 करोड़ रुपये से अधिक लागत से निर्मित किए गए रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण किया, इसके साथ ही जावरा शहर की कई सडकों का भी आपने भूमिपूजन व लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री द्वारा भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सीधाप्रसारण व उद्बोधन विधायक सभागृह में सुना गया, इसके साथ ही ब्लाक मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत सिंगल क्लिक से राशि लाभ वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में प्रदेश व्यापी विकास उत्सव के तहत प्रदेश के लिए अरबो रुपये की लागत के निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। रतलाम जिले 2786.525 करोड़ रुपये लागत के 75 कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने डा.लक्ष्मीनारायण पाण्डेय मेडीकल कालेज में आई बैंक, ब्लड बैंक, बास्केट बाल कोड तथा 12 बिस्तरीय आई ब्रिड आईसीयू व अन्य स्वास्थ्य इकाईयों का लोकार्पण किया तथा सवा तेरह करोड़ रुपये लागत के 50 बिस्तर वाले क्रिटीकल केयर ब्लाक निर्माण का भूमिपूजन भी किया। जल निगम की दो योजनाओं का भूमिपूजन भी किया।

खबर संक्षेप

जमीनी विवाद में पड़ोसियों ने मारा पीटा युवती के साथ की अश्लील हरकत

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के मउ दोस्त पुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर पडोसियों ने लाठी डंडा सरिया लेकर एक परिवार के घर पर हमला कर तोडफोड मार पीट किए तथा युवती के साथ अश्लीलता किए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा के मऊदोस्तपुर गांव निवासनीय एक युवती का आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर पडोसी लाठी डंडा सरिया लेकर उसके घर पर हमला कर दिए तोड फोड किए और जान से मारने की धमकी देते हुए उसके घर की महिलाओं को मार पीट कर गिरा दिए। युवती का आरोप है कि उसको दो युवक बदनीयती के इरादे से जमीन पर पटख दिए। राहगिरों के आ जाने पर किसी तरह इज्जत बची। घायल युवती ने मऊआइमा थाने में मऊदोस्तपुर निवासी रोहित, मोतीलाल, राजेश, रजौती, सीता, सपना, अखिलेश, प्रीती के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।पुलिस घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है।

प्राथमिक विद्यालय में लगे दो दशकों से पुराने वृक्षों को वृक्ष माफिया काटने में जुटे

अखंड भारत संदेश

एसडीएम फूलपुर और इंस्पेक्टर मऊआइमा से लिखित शिकायत

मऊआइमा। जो जमीन सरकारी है वह जमीन हमारी है के तर्ज पर कतिपय वृक्ष माफिया विद्यालय के अन्दर लगे आम, महुआ के वृक्षों को धराशायी करने में जुटे हैं। जिसकी लिखित शिकायत एसडीएम व इंस्पेक्टर मऊआइमा से की गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह में स्थित प्राथमिक विद्यालय में दो दशक पुराने आम, महुआ के वृक्ष हैं। गांव के रणजीत सिंह पुत्र राजबहादुर ने फूलपुर एसडीएम, इंस्पेक्टर मऊआइमा को तहरीर देकर यह आरोप लगाया है कि गांव सिंसई सिपाह स्थित प्राथमिक विद्यालय के बाउंड्री के अन्दर लगे आम, महुआ के वृक्ष माफिया गुंडागर्दी और दबंगई से दिन रात काट कर धराशायी करने में जुटे हुए हैं। जिससे विद्यालय की हरियाली समाप्त हो रही है। ग्रामीणों ने इन दबंगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

युवक ने ई-रिक्शा चालक को पीटकर किया लहूलुहान

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब घात लगाए बैठे युवक ने ई-रिक्शा चालक को पीटकर लहूलुहान कर दिया। जिसका गंभीर अवस्था में एसआरएन प्रयागराज में इलाज चल रहा है। उसके पिता ने नैनी कोतवाली में तहरीर देकर कारवाई की मांग की है। बता दें कि माधवपुर पट्टी, अम्बेडकर नगर नैनी निवासी ओमप्रकाश शर्मा पुत्र बांकेलाल ने नैनी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरा जेष्ठ पुत्र सोनू शर्मा अपना ई-रिक्शा प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को सुबह पांच बजे लेकर निकला और गली के मोड पर (अन्नी के कारखाना) के सामने मोड़ पर घात लगाए खड़ा राहुल गौड़ पुत्र हरीलाल गौड़ ने धारदार नुकीली वस्तु से वार कर पीटकर लहूलुहान कर दिया।जिसके कारण मेरा लड़का गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए एसआरएन में भ्ती कराया गया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है सीसीटीवी में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पहले एक व्यक्ति साइकिल से गली में आए बचाने के लिए फिर उसके बाद दो महिला आई बचाने के लिए ।

घर में घुसकर दुराचार के प्रयास का आरोप पुलिस से हुई शिकायत

कोरांव। थाना क्षेत्र के टुड़ियार गांव में घर में घुसकर दुराचार का प्रयास करने की शिकायत कोरांव पुलिस से की गई है। दलित समुदाय की महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर बीती रात्रि को घर में घुसकर जबरन अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई तहरीर में महिला ने बताया है कि मेरे घर पर मेरा पति नहीं था प्रयागराज में रहकर मजदूरी करता है। रात्रि 9:30 बजे के आसपास गांव का एक व्यक्ति घर में घुस गया और मेरे साथ जोर जबरदस्ती करने लगा। शोरगुल मचाने पर मेरी जेठानी व चचिया सास मौके पर पहुंच गई। हम लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह झटकते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

न्यूज झरोखा

महापौर को पत्र देकर मेला सम्बंधित कार्यों से कराया गया अवगत

प्रयागराज। श्री राम बारात कमेटी प्रियदर्शिनी नगर नयापुरा द्वारा आगामी 18 अक्टूबर को निकलने वाले राम दल और 14 से 17 अक्टूबर तक रामलीला के कार्यक्रम को लेकर प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी को कमेटी के संचालक कौशल सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ एव प्रार्थना पत्र देकर मेले संबंधित कार्य हेतु अवगत कराया गया।तथा मेले में शामिल होने का प्रार्थना पत्र भी दियोइस पर महापौर ने रामदल कमेटी को आश्वस्त किया कि मेला व्यवस्थित ढंग से दिव्य और भव्य होगा किसी भी प्रकार के कार्यों में लापरवाही नहीं बरती जाएगी।कमेटी के संचालक कौशल सिंह, रवि केसरवानी, विजय सिंह, प्रमोद भाई (दीपू),एसपी श्रीवास्तव, विमलेश सोनकर साहित आदि लोग शामिल रहे ।यह जानकारी मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार ने दी।

1989 में कांग्रेस की सरकार ने उर्दू को दूसरी राज्य भाषा का दिया दर्जा : अरशद अली

प्रयागराज। अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी इलाहाबाद द्वारा आज जनपद प्रयागराज बक्शी बाजार स्थित कार्यालय पर शहर अध्यक्ष अरशद अली की अध्यक्षता में एक गोष्ठी कर तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित नारायण दत्त तिवारी को याद करते हुए बताया कि 6 अक्टूबर 1989 को उर्दू को दूसरी राज्य भाषा का दर्जा दिया गया था। इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस ने उर्दू अदब से जुड़े टीचर, पत्रकार, शायर,और मदरसे के उस्ताद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर पिछड़ा वर्ग के शहर अध्यक्ष मो हसीन, महफूज अहमद, तबरेज अहमद, नफीस कुरैशी, जाहिद नेता, मुख्तार अहमद, गुलाम वारिस, फेज अहमद, मो ताहा, फिरोज खान आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ता मिलन समारोह में अधिवक्ताओं ने रखे अपने विचार

फाफामऊ। गद्दोपुर स्थित स्वास्तिक गार्डन में शुक्रवार को अधिवक्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता के हित में अपने अपने विचार रखे और अधिवक्ताओं के उत्पीड़न एवं उनके सम्मान में लड़ाई जारी रखने की बात कही। मिलन समारोह के मुख्य वक्ता दिनेश चंद्र पांडेय ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह पिछले गत महीनों में अधिवक्ताओं का उत्पीड़न हुआ और वह कई घटनाओं का शिकार हुए यह कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनके हित की लड़ाई को आगे बढ़ाकर उनके सम्मान में चार चांद लगाने का कार्य करेंगे। उन्होंने अधिवक्ता एकता का आवाहन करते हुए सीनियर अधिवक्ता वा जूनियर अधिवक्ताओं उनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने की बात कही। समारोह में आए बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं सभी एक दूसरे के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने और आंदोलन कर अपनी मांगों को पूरी करने की बात कही। समारोह में आशीष त्रिपाठी ,अशोक त्रिपाठी ,हिमांशु मिश्रा, जसकरन यादव, नरेंद्र गिरी, अशोक कुमार, राजकुमार पटेल, राम कुमार प्रजापति, अमरीश मिश्रा,रुद्रेश पांडेय ,अजय यादव, अभिषेक त्रिपाठी,अनिल शुक्ला ,अभय मिश्रा,रमेश कुमार यादव, उत्तम त्रिपाठी, बाबा कनौजिया, पंकज दुबे,राहुल शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचाय सकरामऊ में खुली बैठक में कई प्रस्ताव सर्वसहमति से हुआ पास

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खंड के ग्राम सभा सकरामऊ में एक खुली बैठक की गई जिस में सबकी सहमति से अनेकों प्रकार के विकास कार्य पास हुए। मऊआइमा के ग्राम सभा सकरामऊ में शुक्रवार को ग्राम पंचायत सदस्यों और प्रधान सुरेश चन्द्र की मौजूदगी में एक खुली बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्यों द्वारा विकास कार्य का प्रस्ताव रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुरेश चन्द्र,, ग्राम पंचायत अधिकारी, श्रीमती श्रेया, पंचायत सहायक दिवाकर सिंह, सुरेंद्र सरोज, राम कैलाश के अलावा ग्राम पंचायत सदस्य अमर सिंह, दिनेश पाल, प्रीती, अशोक पटेल, टिडडू, राजकुमारी पटेल, संजीव, मनोज यादव, बिहारी लाल, उमा कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

15 दिन बाद भी नही बदला गया जला ट्रांसफार्मर

कोरांव। सरकार भले ही अधिकारियों को आदेश दिया हो की जले ट्रांसफार्मर की 24 घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर बदल दिया जाए किंतु विद्युत उपकेंद्र कोरांव के ग्राम पंचायत तराव के बारीपुर बिहार बस्ती मे लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर पखवाड़े भर से जला है। शिकायत के पन्द्रह दिन बाद भी नही ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका। उक्त मजरे मे लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगभग पन्द्रह दिन से जला है। जिसकी ऑनलाइन शिकायत ग्रामीणों ने करते हुए सम्बंधित जेई, एसडीओ को अवगत कराया लेकिन अभी तक जला ट्रांसफार्मर नही बदला गया। ग्रामीण अंधेरे और गर्मी मे रहने को मजबूर हैं। नौनिहालों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ट्रांसफार्मर न बदले जाने से ग्रामीणों मे विद्युत विभाग की उदासीनता को लेकर आक्रोश व्याप्त है। एक तरफ प्रदेश सरकार 72 घण्टे मे जले ट्रांसफार्मरों को बदलने का दावा करती है। वही विभागीय तंत्र आम जनता की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। ग्रामीणों में मुख्य रूप से पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रेम शंकर मिश्रा, दिनेश मिश्रा, राजीव पाण्डेय, रंग बहादुर सिंह, लक्ष्मी सिंह, श्री भगवान सिंह, सुनील कुमार पाण्डेय, राजेश मिश्रा, मनोज तिवारी, अनिल विश्वकर्मा, लवकुश प्रजापति, अमित विश्वकर्मा आदि ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जले ट्रांसफार्मर को बदलवाए जाने की मांग की है।

स्वरोजगार से बने समृद्धसाली : केपी श्रीवास्तव

सहसों। विकास खण्ड सहसों के सभागार में शुक्रवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य डॉक्टर के पी श्रीवास्तव ने कहा गांव के विकास से ही किसान, नौजवान एवं व्यापारी वर्ग अपने स्वरोजगार को सुविधाजनक ढंग से मंडियों तक पहुंचा कर समृद्ध साली बना सकते हैं। उन्होंने विकास खण्ड सहसों के विभिन्न गांव के विकास कार्य के लिए बीस लाख रुपए की धनराशि देने की भी बात कही। बैठक में विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह ने कहा कि गांव के विकास के लिए सरकार हर संभव मदद करते हुए अत्याधुनिक तरीके से विकसित कर सभी सुविधाएं गांव में उपलब्ध कराने के लिए तेजी से विकास कर रही है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी कल्पना कुशवाहा, बेसिक शिक्षा विभाग आईसीडीएस, कृषि विभाग,पशुपालन विभाग सहित कई विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपस्थित जनप्रतिनिधि को देते हुए लाभ उठाने तथा जन-जन पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह, एडीओ पंचायत नरेंद्र दुबे, प्रमुख प्रतिनिधि शिवनारायण सिंह गप्पू , डॉ अनिल कुमार, विजय बहादुर, अरुण त्रिपाठी सहित क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं ब्लाक के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी मेजा में बड़ा खेला, 102 एंबुलेंस से निजी अस्पताल में भर्ती कराए जाते हैं मरीज

मेजा। सीएचसी मेजा में इस समय बड़ा खेल खेला जा रहा है।सीएचसी मेजा के अधीक्षक ट्रांसफर होने के बाद भी मेजा से हटने का नाम नहीं ले रहे हैं।वजह साफ है।बड़ी कमाई।बता दें कि इस समय सोसल मीडिया पर एक 10 सेकेंड का वीडियो वायरल हो रहा है,जिसमें साफ देखा जा सकता है कि डायल 102 एंबुलेंस पास के एक निजी अस्पताल में मरीज भर्ती कराने के लिए मरीज उतार रहा है।उसके पीछे आशा के साथ कुछ लोग हैं।अब सवाल यह उठता है कि एंबुलेंस सरकारी अस्पताल के मरीजों के लिए है या निजी अस्पताल की सेवा करने के लिए।बता दें कि सीएचसी मेजा में चाय वाले से लेकर अस्पताल कर्मी इस खेल में शामिल हैं। डिलवरी केस हो या फिर रेफर किए गए मरीज।वहां बैठे दलाल तुरंत मरीज के परिजन से संपर्क कर अच्छा इलाज के नाम पर निजी अस्पताल में भर्ती कराए जाते हैं।उसके बदले उन्हें 20 से 30 प्रतिशत कमीशन मिल जाती है।और तो और पास के निजी अस्पतालों के संचालकों का दिन भर अधीक्षक के पास जमघट लगा रहता है। बताया जाता है कि अस्पताल से बकायदे दवाइयां भी निजी अस्पतालों में सप्लाई की जाती है।यह काम बड़ी सावधानी के साथ रात के अंधेरे में किया जाता है।इन दिनों मेजा में एक दर्जन निजी अस्पताल बेखौफ फल फूल रहे हैं। इस संबंध में जब सीएचसी मेजा के अधीक्षक से फोन पर बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस तरह की शिकायत पाए जाने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

करेंट की चपेट में आकर अधेड़ की हुई मौत,परिजनो कोहराम

कोरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के डिहार गांव में शुक्रवार को सुबह 5 बजे के आसपास फसल चर रहे मवेशी को हटाने जा रहे थे।जमीन पर गिरे हाई टेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक खीरी थाना क्षेत्र के डिहार गांव निवासी अश्वनी पांडेय पुत्र शिव प्रसाद पांडेय सुबह 5 बजे के आसपास खेत से मवेशी हटाने जा रहे थे कि खेत में कहीं बिजली का हाईटेंशन तार जमीन पर गिरा हुआ था। जिसकी चपेट में आ गए और बुरी तरह से झुलस गए। परिजनों ने उन्हें आनन फानन में उपचार हेतु प्रयागराज लेकर गए जहा चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन शव लेकर घर आए और खीरी पुलिस को तहरीर देकर विधिक कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मृतक की पत्नी माता-पिता एवं बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था।

जालसाजों के झांसे में आकर ग्रामीण हो रहे हैं ठगी के शिकार !

अखंड भारत संदेश

सहसों। ग्रामीण क्षेत्र में भोली भाली ग्रामीण जनता गांव गांव घूम रहे जालसाजों के झांसे में आकर फर्जी ढंग से आधार कार्ड, पैन कार्ड, स्वास्थ्य कार्ड बनाने एवं उसमें मोबाइल नंबर जोड़ने के चक्कर में लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। ऐसे ही घटना के संबंध में थरवई थाना क्षेत्र के रुदापुर और टटिहरा गांव निवासी अनिल कुमार, मीना देवी, सुमन देवी, सीमा गौतम, बबिता देवी आदि भारी संख्या में लोग शुक्रवार को थरवई थाना जा पहुंचे।? भुक्तभोगियों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करने की मांग किया है। आरोप है कि थाना क्षेत्र के उमरी मय टटिहरा गांव निवासी राम सागर पुत्र सुरेश कुमार, शुभम पुत्र राकेश कुमार व सौरभ पुत्र अवधेश कुमार अप्रैल-मई माह में रुदापुर की दलित बस्ती में पहुंचे। वहां घर-घर जाकर आधार कार्ड से मोबाइल नंबर जोड़ने, पैन कार्ड व स्वास्थ्य कार्ड बनवाने का लालच ग्रामीणों को दिया गया। उनके झांसे में आकर कई लोगों ने अपना आधार कार्ड और फिंगर प्रिंट उनको दे दिया। आरोपियों ने सभी लोगों का नया मोबाइल नंबर भी जारी करवा लिया। उसके बाद एयरटेल पेमेंट बैंक में खाता भी खोल दिया। मामला तब प्रकाश में आया जब सरायइनायत थाना क्षेत्र के बनी गांव में जाकर यही कार्य वहां के लोगों के साथ कर रहे थे। संदेह होने पर ग्रामीणों ने पकड़ लिया। उनके पास से डायरी व कई सिम कार्ड बरामद हुआ। डायरी में लिखे गए पता पर फोन कर-के जानकारी देने पर उन लोगों ने आधार चेक कराया तो पता चला कि सभी का खाता खुला हुआ है। फर्जी तरीके से किए गए इस कारनामे से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। मामले की जांच सब थरवई एसआई राघवेंद्र पांडे को दिया गया है।

वायरल फीवर से प्रतियोगी छात्र की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

सहसों। क्षेत्र के जगदेवपुर बरेठी गांव निवासी नागेंद्र कुमार यादव 22 वर्ष पुत्र भारत लाल यादव जो कि वायरल फीवर से पीड़ित था। जिसको परिजनों ने सहसों के एक निजी चिकित्सालय में उपचार करा रहे थे। जहां से चिकित्सक ने शहर के लिए रेफर कर दिया। परिजन नागेंद्र कुमार को लेकर शहर के एक निजी चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती कराया जहां सप्ताह भर से चल रहे इलाज के दौरान बीती रात मौत हो गई। नागेंद्र कुमार यादव अपने पांच भाइयों में चौथे नम्बर का था। वह शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया जानकारी मिलते ही नागेंद्र के शव को देखने के लिए परिजन सहित सगे संबंधियों, आसपास एवं मोहल्ले के लोगों का तांता लग रहा। नागेंद्र की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं पर नाराज ग्रामीणों का आरोप है कि वायरल फीवर तथा डेंगू से पीड़ित होकर लोग जूझ रहे हैं और मौतें भी हो रही हैं परंतु स्वास्थ्य विभाग हांथ पर हांथ धरे बैठी है।

67वीं तहसील स्तरीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अखंड भारत संदेश

राजा कमलाकर इंटर कालेज में हुई प्रतियोगिता, बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

शंकरगढ़। 67वीं तहसील स्तरीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को राजा कमलाकर इंटर कालेज शंकरगढ़ में किया गया।दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर चीफ गेस्ट सहजिला विद्यालय निरीक्षक एलबी मौर्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शुभारंभ मौके पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।अंत मे विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बच्चों का हौसला बढ़ाया। मुख्य अतिथि एलबी मौर्य ने कहाकि इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। बच्चों में छिपी प्रतिभाएं निखरकर सामने आती हैं। बदलते दौर में खेल भी भविष्य को संवारने का एक सुनहरा मौका है। यदि बच्चे अपनी क्षमता के अनुरूप ईमानदारी से मेहनत करें तो खेल में भी भविष्य सुनहरा है। अनय प्रताप सिंह ने बच्चों के प्रदर्शन की तारीफ की। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता के सीनियर बालिका वर्ग की फरार्टा रेस में शिखा मिश्रा ने प्रथम, दीक्षा चतुवेर्दी ने दूसरा, स्नेहा ने तीसरा और आशा यादव ने चौथा स्थानहासिल किया। इसी तरह 200 मीटर दौड़ में दीक्षा चतुवेर्दी ने प्रथम, अंजली सिंहने दूसरा और स्नेहा मिश्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग के 400 मीटर दौड़ में सुमित कुमार प्रथम, राहुल यादव द्वितीय, सत्येंद्र तृतीय रहे। 600 मीटर दौड़ में रितेश यादव प्रथम, आशीष गौड़ दूसरे, सौरभ यादव तीसरे और अभिनेत्र यादव चौथे स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में शैलेष कुशवाहा, सुमित कुमार, अनमोल सिंह, इंद्रसेन और जूनियर वर्ग में आदर्श सिंह, सुनील कुमार, मोअज्जम, मोनू यादव क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। गोला फेंक (सीनियर) में अनश विजयचंद्र ने प्रथम, अनश ने द्वितीय, रवि पटेल ने तीसरा और पंकज निषाद ने चौथा स्थान हासिल किया। गोला फेंक जूनियर में आदित्य कुशवाहा प्रथम, प्रज्ज्वल द्वितीय, वंशमणि त्रिपाठी तृतीय और अमन पांडेय चौथे स्थान पर रहे। इसी क्रम में लंबी कूद में मनीष कुमार प्रथम, महेंद्र सेकेंड और अभिषेक द्विवेदी ने तृतीय स्थान हासिल किया। डिस्कस फेंक में अंशिका सिंह ने पहला, पूजा शुक्ला ने दूसरा,स्नेहा मिश्रा ने तीसरा और हिमांशी शुक्ला ने चौथा, गोला फेंक में संजना ने पहला, हिमांशी शुक्ला ने दूसरा और पूजा शुक्ला ने तीसरा स्थान पाया। बालिकाओं की 400 मीटर दौड़ में संजू भारतीया ने पहला, रोशनी यादव ने दूसरा, शिखा मिश्रा ने तीसरा, साधना चौथा, 800 मीटर में ममता यादव ने पहला, रोशनी ने दूसरा, शिखा मिश्रा ने तीसरा और खुशी ने चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में बारा तहसील के एक दर्जन से अधिक विद्यालयों के बच्चों ने सहभागिता की। अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डा. योगेंद्र सिंह, डा. प्रेम प्रकाश सिंह, डा. केशवेंद्र सिंह, कविता मिश्रा, श्याम बिहारी, कविता निर्मल, साजिया परवेज, डा. बृजेश कुमार यादव, ओपी धारिया, सीपी सिंह, अरविंद कुमार गौतम, लक्ष्मीकांत, रामबोध खरवार, अजय कुमार, प्रदीप कुमार सिंह,शीतल सिंह,अनूप केसरवानी आदि मौजूद रहे।

तर्पण श्राद्ध के उपरांत पितरों के लिए गया यात्रा पर निकले परिजन

अखंड भारत संदेश

सहसों। सनातन धर्म के अनुसार पितरों के शान्ति के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान हेतु अश्विन मास के कृष्ण पक्ष/पितृ पक्ष उत्तम माना गया है। इस मास के पितृपक्ष में पितरों के शांति के लिए पूजन पाठ श्राद्ध आदि करके पुत्र लोग अपने पितरों की पूजा पाठ श्राद्ध क्रिया करते हैं। जिससे पित्र देव खुश होकर अपने पुत्रों की यश कीर्ति, धन-धान्य, सुख समृद्धि एवं परिवार की कल्याण का आशीर्वाद देते हैं। इसी प्रकार सहसों बाजार निवासी राम प्रसाद केसरवानी सपत्नीक, संतोष कुमार केसरवानी एवं उमेश कुमार केसरवानी तीन सगे भाइयों ने घर पर तर्पण, श्राद्ध, पूजन हवन इत्यादि के पश्चात शुक्रवार को अपने माता-पिता एवं अन्य पितरों को गयाधाम में श्राद्ध के लिए यात्रा पर रवाना हुए। इस अवसर पर यात्रा से पहले घर पर विधि विधान से तर्पण पिंडदान एवं पूजन पाठ आचार्य विद्वान दिनेश चंद्र तिवारी द्वारा कराया गया। इस मौके पर आचार्य ने यजमान को गयाधाम महात्म्य को बताते हुए बताए कि गरुण पुराण के अनुसार गयाधाम करने का मतलब है कि गया में पितरों का श्राद्ध करना पिंडदान करना विशेष महत्व बताया गया है। पितरों हेतु गयाधाम के लिए घर से निकलने पर एक-एक कदम पितरों के स्वगारोहण के लिए एक-एक सीढ़ी बन जाती हैं। शास्त्रों के अनुसार गयाधाम यानी कि यह मोक्ष की भूमि मानी गई है। तत्पश्चात राम प्रसाद केसरवानी ने भाइयों के साथ पास पड़ोस एवं मोहल्ले में अक्षत छिड़कते हुए मंगल गीत के ध्वनि से गाजेबाजे के साथ गयाधाम के लिए रवाना हुए। इस मौके पर गुड्डू केसरवानी, ब्रिटिश केसरवानी, आत्म प्रकाश केसरवानी, राजा केसरवानी, जिला कोषाध्यक्ष भाजपा गंगापार आशीष केसरवानी, सत्यम केसरवानी, प्रकाश केसरवानी, बिहारी लाल केसरवानी सहित आदि लोग मौजूद रहे। इसी तरह सहसों बाईपास निवासी भोलानाथ केसरवानी सपत्नीक ने घर पर आचार्य द्वारा तर्पण, श्राद्ध एवं पूजन इत्यादि के पश्चात सगे संबंधियों को भोजन ग्रहण कराकर मोहल्ले में अक्षत छिड़कते हुए मंगल गीत के साथ गयाधाम को निकल पड़े। इस अवसर पर परिवारीजन, नात रिश्तेदार सहित आदि ग्रामीण उपस्थित रहकर भोलानाथ केसरवानी को गयाधाम के लिए विदा किए।

पांडेयपुर से गाजे बाजे के साथ ग्राम परिक्रमा एवं गया जी धाम किया प्रस्थान

जंघई। पांडेयपुर निवासी ओमप्रकाश पांडेय पितृ पक्ष में अपने माता पिता एवं पूर्वजों के श्राद्ध हेतु अपने निवास पर शुक्रवार को मंत्रोच्चारण के बीच तर्पण पिंडदान के माध्यम से सभी बंशावली पर ध्यानपूर्वक ध्यान केंद्रित करके अपने अराध्य इष्टदेव एवं पूर्वजों की आत्मा की शांति एवं अपने परिवार खानदान की सुख समृद्धि हेतु रविवार को गया धाम प्रस्थान किया। पित्रों के श्राद्ध से मोक्ष की प्राप्ति होती है पितृ पक्ष मे ही लोग पित्रों के तर्पण हेतु भरतकूप होते हुए गया मे पिंडदान करते है। पारिवारिक सदस्यों, खानदान तथा क्षेत्रवासियों के संग गाजे बाजे के साथ भ्रमण करते हुए गांव के प्रत्येक घर की सुख शांति हेतु सभी घरों से अक्षत लेते हुए प्रस्थान किया।इस अवसर पर श्रीनाथ पांडेय पुरस्कृत शिक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार,जयप्रकाश पांडेय,शिवप्रकाश पांडेय, रामप्रकाश पांडेय, सुरेश पांडेय शिक्षक, कमलाशंकर शुक्ला, सीताराम तिवारी प्रधान, सज्जन शुक्ला, कपिल देव तिवारी, मंगला उपाध्याय, प्रधानपति भानीपुर सौरभ पांडेय, कृपाशंकर मिश्रा, रामअजोर मिश्रा, मनीष पांडेय, राकेश पांडेय, शिव प्रकाश पांडेय, जयनाथ पांडेय, राजेश पांडेय, बृजेश पांडेय, रवि पांडेय, विमल पांडेय, लव, कुश, शुभम, सौरभ पांडेय, अजय, अभय, अथर्व पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

गंगा में डूबने से पांच दोस्तों की मौत मछली मारने गए थे सभी दोस्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शिवकुटी में म्योराबाद एसटीपी के पास गंगा में डूबने से पांच दोस्तों की मौत हो गई। 13 से 16 साल तक के पांचों किशोर मछली पकड़ने गए थे तभी यह हादसा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को उतारा। हालांकि, जब तक बाहर निकाला जाता, उनकी मौत हो चुकी थी।म्योराबाद व बेली में रहने वाले पांच किशोर शुक्रवार दोपहर म्योराबाद एसटीपी के पास गंगा में मछली पकड़ने गए थे। इनमें हिमांशु सिंह(16) पुत्र राजेश सिंह, मुलायम(15) पुत्र गिरधारी, आकाश(14) पुत्र राजनारायण, प्रियांशु (15) पुत्र फूलचंद और शनि (14)पुत्र नंदू शामिल थे। इनमें हिमांशु व मुलायम म्योराबाद, जबकि शेष तीनों बेली के रहने वाले थे। उनके साथ आर्यन यादव व मुलायम का छोटा भाई शमशेर भी था। आर्यन ने बताया कि वहां पहुंचने के बाद सभी लोग मछली पकड़ने में लग गए, जबकि हिमांशु नहाने के लिए नदी में उतर गया।

कुछ देर बाद अचानक वह चिल्लाने लगा। दोस्तों की नजर पड़ी तो वह डूब रहा था। यह देख मुलायम, आकाश, प्रियांशु व शनि उसे बचाने के लिए नदी में कूद गए। वह हिमांशु को बचाने में खुद भी गहराई में जाकर डूबने लगे। फिर एक-एक कर सभी पानी में समा गए। आर्यन ने फोन से सूचना दी तो सबसे पहले हिमांशु के घरवाले पहुंचे। इसके बाद अन्य किशोरों के परिजन भी आ गए। सूचना पर पुलिस भी आ गई और फिर गोताखोरों को उतारा गया। कुछ देर बाद एक-एक करके सभी को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पर पुलिस आयुक्त रमित शर्मा और एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय भी पहुंच गए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। सूचना पर नदी में गोताखोर उतारकर बच्चों की तलाश कराई गई। कुछ देर बाद उन्हें बाहर भी निकाल लिया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

- श्वेताभ पांडेय, एसीपी कैंट

एक को बचाने के चक्कर में चार डूबे

शुरूआती जानकारी के मुताबिक ये सभी मछली का शिकार करने गए थे। इस बीच हिमांशु नदी में उतरकर नहाने लगा। नहाते-नहाते वो अचानक गहराई में जाकर वह डूबने लगा, जिसकी आवाज सुनकर बाकी चारों दोस्त भी नदी में कूद गए। इसके बाद एक-एक कर कर सभी पानी में समा गए।

परिवार में मचा कोहराम

जल पुलिस और गोताखोर की टीम ने घंटों कड़ी मशक्कत के बाद सभी के शव गंगा से बाहर निकले। दूसरी तरफ घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया। सभी के परिजन मौके पर पहुंचे और रोने बिलखने लगे। पुलिस की टीम ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मदरसों में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी की दी जाएगी शिक्षा

प्रयागराज। जनपद के समस्त अनुदानित/ मान्यता प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत छात्र/ छात्राओं को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए नई तकनीकी विश्वस्तरीय कालेजों में प्रवेश के लिए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने नई पहल की है मदरसों में पढ़ने वाले सभी छात्र/ छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी की शिक्षा दी जाएगी। बच्चों के पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी को शामिल करने से उनकी बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही आगे की शिक्षा तथा रोजगार के नये द्वार खुलेंगे। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का प्रशिक्षण अध्यापकों को दिया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी की जानकारी देने के लिए विषय विशेषज्ञों के सहयोग से 22 वीडियो बनाए गए हैं। अब अन्य शैक्षिक बोर्ड से कदम ताल मिलाने के लिए मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ में एआई कोर्स को शामिल किया गया है।

एयर शो : रिहर्सल.....

अरैल मार्ग पर रिहर्सल के बाद लगा जाम

नैनी नए यमुना पुल पर भी प्रशासन के दिशा निर्देश के बावजूद लगी रही भीड़

नैनी। नैनी के अरैल मार्ग में एयरफोर्स डे के दो दिन पहले शुक्रवार को एयर शो रिहर्सल के बाद अरैल में एयर शो के बाद भीषण जाम लग गया। जाम में घंटो तक वाहन फंसे रहे। रिहर्सल को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग वाहन से अरैल घाट पहुंच गए थे। बड़ी संख्या में दो पहिया के अलावा चार पहिया और रिक्शा वाहन वाहन से लोग बांध रोड और उसके आसपास तक पहुंच गए थे। रिहर्सल समापन के बाद अचानक भीड वापस होने लगी तो भीषण जाम लग गया। स्थिति तो यह हो गई कि लोग पैदल भी नही निकल पा रहे थे। मौके पर मौजूद फोर्स भी जाम खुलवाने की जद्दोजहद में लगे रहे लेकिन काफी देर तक यातायात सामान्य नहीं हो सका था। अरैल के अलावा नए यमुना पुल पर भी रिहर्सल समाप्त होने के बाद जाम लग गया था। इससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पहले दिन हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

जोश, जुनून और जज्बे के साथ कदमताल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय वायु सेवा की 91वें वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एयर शो के पहले दिन शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल हुआ। बमरौली स्थित वायु सेवा के मध्य वायु कमान मुख्यालय में वायु सेना योद्धाओं की परेड हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पैरा हैंड ग्लाइडर विंग कमांडर अशोक ने हवा में 360 डिग्री पर करतब दिखाते हुए परेड में एंट्री की। उसके बाद दो वायु योद्धा पैरा मोटर्स हवा में उड़ते हुए परेड में आए।हवा में उनके द्वारा किए गए करतब पर वहां मौजूद स्कूली बच्चों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान एएन 32 विमान से 10 पैराजंपर 8 हजार मीटर की ऊंचाई से कूदे। कलरफुल पैराजंपर दर्शकों के सामने उतरे तो लोग रोमांचित हो गए। लोगों ने उनका तालियों से जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र गरुण कमांडो की परेड रही। इस बीच पांच गरुड़ कमांडो हेलीकॉप्टर के नीचे बंधी रस्सी के सहारे लटकत क भी नजर आए।परेड के दौरान तीन सूर्य किरण हेलीकॉप्टर वहां से तिरंगा धुआं छोड़ते हुए निकले। इन विमान के निकलते ही वहां बैठे हर एक शख्स ने ताली बजाकर अभिवादन किया। वायु योद्धाओं ने अपनी राइफल से भी तमाम करतब दिखाए। उन्होंने दिखाया कि अनुशासन और ड्रिल भारतीय वायु सेवा की जीवन शैली है।इसके पूर्व वायु योद्धाओं ने परेड भी कि। उनके सलामी एयर मार्शल मध्य वायु कमान मुख्यालय ने ली। खास बात यह रही की परेड में महिला अग्नि वीर भी शामिल हुई। इनकी संख्या 31 रही। परेड में वायु सेवा की झंडा बदलने की भी परंपरा इस बार शुरू हुई। अब 8 तारीख को आयोजित एयर शो में वायु सेवा अध्यक्ष भी इस परंपरा का निर्वाहन करेंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम गौतम मिश्रा पुत्र सोहनलाल मिश्रा निवासी ग्राम ऊनो तहसील मंझनपुर जनपद कौशांबी था मेरे अभिलेख खो जाने के बाद मैंने अपना नाम बदलकर त्रिभुवन मिश्रा पुत्र सोहन लाल मिश्रा निवासी ऊनो तहसील मंझनपुर जनपद कौशांबी रख लिया है मेरे सरकारी अभिलेखों में त्रिभुवन मिश्रा अंकित है मुझे त्रिभुवन मिश्रा के नाम से जाना जाए यही मेरा सही नाम है।

झूंसी का अंडर पास 6 माह के लिए हुआ बंद

झूंसी। नई झूंसी से पुरानी झूंसी को जोड़ने वाले मार्ग पर बने रेलवे अंडरपास को शुक्रवार को रेलवे ने 6 माह के लिए बंद कर दिया। जिसकी वजह से नई झूंसी की ओर रहने वालो की मुसीबत बढ़ गई है। शुक्रवार को इधर से गुजने वालो को वापस लौटना पड़ा। आगामी महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम यातायात के लिए सड़कों के साथ-साथ रेलवे के भी दोहरीकरण का काम चल रहा है वाराणसी से रामबाग तक रेलवे दोहरीकरण के चलते झूंसी में बने रेलवे अंडरपास को गुरुवार की रात को रेलवे ने सड़क पर गड्ढा खोद कर बंद कर दिया। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि रेलवे अंदर पास को चौड़ा किया जाना है। रास्ता बंद होने से पुरानी झूंसी से नई झूंसी, पुरानी जीटी रोड होते हुए गरापुर सहसो तक जाने वाले को अब केवटाना क्रासिंग व टीकरमाफी मार्ग से आना जाना होगा। जानकारी न होने की वजह से शुक्रवार को बंद होने पर पूरे दिन लोगो को लौटना पड़ा।

वंदे मातरम भारत माता की जय गगनभेदी नारों से गूंजा अरैल घाट

हजारों की संख्या में लोग घाट पर आए हुए थे देखने के लिए

नैनी। नैनी अरैल घाट पर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना अपनी 91वीं वर्षगांठ पर संगम में रिहर्सल के दौरान एयर शो में वायुसेना के जवान के शौर्य को अरैल संगम घाट में देशभक्ति,राष्ट्र प्रेमी का जनसैलाब वायुसेना के एयर शो को सर्वधर्म के लोग गगन भेदी नारे भारत माता की जय,वंदे मातरम देशभक्ति नारों से उत्साह वर्धन करते। हजारों की संख्या में लोग दूर दूर से आकर देखने के लिए अपने साथ चटाई चादर लेकर आए हुए थे चटाई चादर बिछा कर इस पर पूरे परिवार आसपास के लोग बैठकर उपस्थित जनसैलाब के मध्य भारत माता की जय,वंदे मातरम के उद्घोष से अरैल संगम घाट का वातावरण सुशोभित होता रहा।

एयर शो के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैनात की 17 एंबुलेंस, सात अस्पतालों में भी पांच-पांच बेड रिजर्व

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। एयरफोर्स दिवस पर संगम नगरी में होने वाले एयर शो को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने भी अपनी तरफ से पुख्ता तैयारी कर ली है। स्वास्थ्य विभाग ने एयर शो के दौरान संगम के साथ ही शहर के अलग- अलग हिस्सों में कुल 17 एंबुलेंस तैनात करने की तैयारी की है। इसके अलावा रविवार को होने वाले एयर शो को देखते हुए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में 50 बेड के साथ ही 10बेड आईसीयू में आरक्षित किए गए है। शहर के चार निजी अस्पताल और सात नर्सिंग होम में भी पांच-पांच बेड को एयरशो के दिन के लिए आरक्षित किया गया है।स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कॉल्विन, बेली और डफरिन में भी 25-25 बेड एयरशो को देखते हुए आरक्षित कर दिए गए हैं। एशिया के होने वाले सबसे बड़े एयर शो को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने किले सामने ही पांच बेडो का अस्थाई अस्पताल भी बनवाया है। एयर शो के दौरान स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 10 टीमों को लगाया गया है। प्रत्येक टीम में तीन-तीन चिकित्सक को रखा गया है। इनमें प्रयागराज के अलावा मंडल के अन्य जिलों से भी चिकित्सकों को बुलाया गया है।इन टीमों को वीआईपी स्कॉट के साथ ही अन्य प्रमुख स्थानों पर भी तैनात किया जाएगा। शहर के सभी ब्लड बैंक को भी अलर्ट रखा गया है। इन सभी ब्लड बैंक में 25-25 यूनिट ब्लड रिजर्व रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही एसआरएन अस्पताल में 24 घंटे विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की व्यवस्था की गई है। एयरशो को देखते हुए सभी चिकित्सकों की आठ अक्टूबर तक छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। एयर शो के दिन अस्पतालों में चिकित्सक सुबह से लेकर आयोजन समाप्त होने तक अस्पताल में मौजूद रहेंगे।एयर शो को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। चिकित्सकों की टीमों और एंबुलेंस की तैनाती वाले स्थान की रूपरेखा भी तैयार हो चुकी है।

-डॉ. आशु पांडेय, सीएमओ, प्रयागराज

युवक ने फंदे से लटककर दी जान, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र के हर्षवर्धन नगर मीरापुर में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसने किस कारण से आत्मघाती कदम उठाया है, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की छानबीन की जा रही है।हर्षवर्धन नगर मीरापुर निवासी शरद कुमार शुक्ला (40) ने बृहस्पतिवार की देर रात घर में फांसी लगाकर जान दे दी। वह सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजनों को चिंता हुआ। दरवाजा भी अंदर से बंद था। परिजनों ने जब अंदर झांककर देखा तो उसका शव फंदे से लटक रहा था। इससे परिवार में खलबली मची रही। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत अधिकारी राजस्व ग्राम मझियारी (चंदौली) वि. ख. करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्राम पं. वि. अ./कोटेशन/2023-24 **टेण्डर/कोटेशन** दिनांक 06-10-2023

स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज 2 /SLWM योजनाअन्तर्गत मनरेगा / पंचम वित्त/15वां वित्त योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत **राजस्व ग्राम मझियारी (चंदौली)** विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यों के आगणन/प्राक्लन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 07-10-2023 से दिनांक 22-10-2023 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है , तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 23-10-2023 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेण्डर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 23-10-2023 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नांकित कार्य पर पर जिस-जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा, जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा, साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा। उस भुगतान पर भी उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य में उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	संख्या	योजना	अनुमानित लागत	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	व्यक्तिगत नाडेप कम्पोस्ट पिट	2 नग	SLWM	10600.00	15 दिन
2.	सामुदायिक एवं संस्थागत खाद गड्ढा कम्पोस्ट पिट	3 नग	SLWM	6675.00	15 दिन
3.	सामुदायिक नाडेप कम्पोस्टपिट	1 नग	SLWM	25000.00	15 दिन
4.	कचरा वाहन ई-रिक्शा /साइकिल रिक्शा	1 नग	SLWM	34450.00	15 दिन
5.	सामुदायिक एवं संस्थागत इन्सुलेटर (भस्मक)	1 नग	SLWM	14995.00	15 दिन
6.	सामुदायिक एवं संस्थाओं हेतु सोक पिट	2 नग	SLWM	45300.00	15 दिन
7.	फिल्टर चैम्बर	1 नग	SLWM	25000.00	15 दिन
8.	सामुदायिक एवं संस्थाओं हेतु खाद गड्ढा कम्पोस्ट पिट	2 नग	SLWM	4450.00	15 दिन
9.	हैण्डपम्प सोक पिट	7 नग	SLWM	104650.00	15 दिन
10.	आवश्यकतानुसार ग्राम पंचायत में कराये जाने वाले अन्य कार्य				

अनिल कुमार
ग्राम प्रधान
ग्रा. पंचा. राजस्व ग्राम मझियारी (चंदौली) वि0 ख0 करछना प्रयागराज

रामसकल
सचिव
ग्रा. पंचा. राजस्व ग्राम मझियारी (चंदौली) वि0 ख0 करछना प्रयागराज

एचआईवी से पीडित अनाथ बच्चों की सेवा करना है सच्ची मानवता

एचआईवी से पीड़ित 30 बच्चों का क्लब ने उपहार देकर बढ़ाया उत्साह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सीयलसी ऑफिस में दान उत्सव के प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य रहे। जिले के 30 अनाथ बच्चे जो की पी एल एचआईवी के साथ जी रहे हैं। सभी एचआईवी से पीड़ित बच्चों को उनका उत्साह बढ़ाने के लिए विभिन्न उपहार दिए गए।

बच्चों को उपहार देते हुए समाजसेवी/एलायंस क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि यह बच्चे अनाथ नहीं है हम सब इन एचआईवी पीड़ित बच्चों

अनाथ बच्चों को उपहार देते क्लब के पदाधिकारी।

को हर तरह से खुशियां देने के लिए समर्पित हैं। मैं क्लब के माध्यम से भी गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी उपहार आदि देकर इसकी देखरेख करने वाली संस्था से भी अपील करते हूँ जहां भी जरूरत होगी हमारा क्लब इन अनाथ बच्चों के साथ सदैव खड़ा रहेगा। आज बच्चों को बैग, कॉपी, पेंसिल, रबर, टिफिन, जमेट्री बॉक्स, पानी की बोतल और फल इत्यादि वितरण किया गया तथा 40 विधवा महिलाओं को कंबल भी वितरण किया गया उपहार वितरण में सहयोग करने वाले ए आर टी सेंटर के कोऑर्डिनेटर राकेश त्रिपाठी, काउंसलर अनिल त्रिपाठी, विवेक द्विवेदी, साधना शर्मा, दिनकर तिवारी, शिवेश शुक्ला, विवेक यादव, आदर्श कुमार, अमरनाथ, शिवकुमार पटेल, नीरज यादव, विमल यादव तथा सीएससी के सभी स्टाफ व बच्चे आदि उपस्थित रहे। संदीप यादव परियोजना संचालक ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

सीडीओ ने ब्लाक का किया औचक निरीक्षण, पारदर्शिता पर दिया जोर

लालगंज, प्रतापगढ़। जिले के नवागत सीडीओ नवनीत सेहरा ने शुक्रवार को स्थानीय ब्लाक का औचक निरीक्षण किया। सीडीओ के औचक निरीक्षण से ब्लाककर्मियों में खलबली मची दिखी। वहीं सीडीओ ने ब्लाक के बेलहा पहुंचकर मत्स्य पालन को लेकर निर्मित तालाब पर चहरदीवारी के निर्माण की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होनें कार्यदायी संस्था को सप्ताह भर के भीतर बाउण्ड्रीवाल के निर्माण को पूरा किये जाने के कड़े निर्देश दिये। सीडीओ ने ब्लाक के औचक निरीक्षण में अभिलेखों पर नजर डाली। उन्होनें मातहतों को साफ चेताया कि यदि विकास कार्यों के स्थलीय निरीक्षण में पारदर्शिता न मिली तो दोषी कर्मचारी व अधिकारी के खिलाफ वह बेहिचक कडी कार्रवाई करेंगे। सीडीओ ने ब्लाक परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के साथ शासन की विभिन्न ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं में भी तेजी लाये जाने के तल्ख निर्देश दिये।

वृद्धजनों की सेवा बहुत बड़ा पुनीत कार्यः कुंवर बहादुर सिंह

वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को लायंस क्लब द्वारा किया गया फल वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सेवा सप्ताह के अन्तर्गत वृद्ध आश्रम महुली में लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। लायंस क्लब के पदाधिकारी ने वृद्ध आश्रम को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा फल का वितरण किया।

इस अवसर पर लायंस क्लब हर्ष के अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा सबसे बड़ा पुनीत कार्य है हमें उनकी सेवा करनी चाहिए तथा जो सहयोग हो यथा संभव करना चाहिए। लायंस क्लब के पदाधिकारी में प्रसाशक संतोष भगवन, डायरेक्टर लालजी चैरसिया, सचिव राजेश पल,

वृद्धाश्रम में मौजूद लायंस क्लब के पदाधिकारीगण।

कोषाध्यक्ष अरविंद सिंह, चेयरपर्सन डॉ क्षितिज श्रीवास्तव, ला केपी सिंह, ला अशोक सिंह, ला दिनेश प्रताप सिंह, ला आरबी सिंह, ला सुभाष सोनी, ला रामेश्वर पांडे ने फल वितरण किया। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के संचालक मान सिंह, प्रबंधक अंबिका प्रसाद, धर्मेंद्र कुमार, अमित कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

कोचिंग सेंटर में घुसकर दबंगों ने की मारपीट

लालगंज, प्रतापगढ़। शुक्रवार की सुबह कोचिंग सेंटर में घुसकर कुछ दबंगों ने संचालक समेत परिवार वालों से मारपीट की घटना को अंजाम देते हुए अभद्रता की। संचालक ने आधा दर्जन अज्ञात लोगो के विरुद्ध पुलिस को तहरीर देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है। स्थानीय नगर के कालाकांकर रोड निवासी वासीद पुत्र मोहम्मद इस्तियाक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह घर पर ही डिवाइन एजुकेशन मंत्र नाम से कोचिंग सेंटर चलाता है। गुरुवार की शाम एक अज्ञात व्यक्ति कोचिंग सेंटर में आकर कुछ लड़कियों से अभद्र टिप्पणियां करने लगा। पीड़ित के विरोध करने पर उसके साथ भी अभद्र व्यवहार करते हुए सुबह देख लेने की बात कह कर चला गया। शुक्रवार की सुबह 9 बजे पुनः पांच अन्य लोगो के साथ आकर गाली-गलौज करने लगा।

सनातन पर गलत तरीके से टिप्पणी करने वालों पर हो कार्यवहीः रामचंद्र दास

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अयोध्या से आए जगतगुरु राम भद्राचार्य के उत्तराधिकारी राम चंद्र दास महराज ने आज सांसद संगम लाल गुप्ता के आवास पर पत्रकारों से कहा कि सनातन पर गलत तरीके से टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म ही हम लोगों की पहचान है। उन्होंने प्रतापगढ़वासियों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिये आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि पहले मंदिरों को हम लोगों ने टूटते देखा, आज वही

पत्रकारवार्ता में बोलते रामचंद्र दास महराज।

मंदिर बनकर तैयार हो गया है, जिसे भव्य रुप दिया गया है। बता दें कि गुरु राम भद्राचार्य की गवाही के बाद ही राम मंदिर का रासता तय हुआ था। उन्होंने बताया कि जगतगुरु राम भद्राचार्य महराज का अयोध्या में 75 वां जन्मदिन मनाया जायेगा। इस दौरान भाजपा सांसद संगम लाल गुप्ता भी मौजूद रहे।

एमडीपीजी कॉलेज में वन्य जीव संरक्षण व सुरक्षा पर हुई संगोष्ठी

महाविद्यालय परिसर में हुआ पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज में जंतु विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस साप्ताहिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज वन्य जीवों की सुरक्षा और संरक्षण पर एक संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य मनोज मिश्र ने की।

प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य लोगों के मध्य जागरूकता का प्रसार करना और वन्य जीवों के संरक्षण तथा उनकी रक्षा करना है। जंतु विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ अमिता मिश्रा ने कहा कि हमें वन्य जीवों से डरने की जरूरत

महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते प्राचार्य मनोज मिश्र।

नहीं है बल्कि हमें उनके संरक्षण हेतु कदम उठाने चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मिथक और तथ्यों के बीच का अंतर भी समझाया। वनस्पति विज्ञान विभाग प्रोअरविंद मिश्र ने वन संरक्षण अधिनियम 1980, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972, परिस्थिति संवेदनशील क्षेत्र, मानव-वन्य जीव संघर्ष, पारिस्थितिकी पुनःस्थापना आदि विषयों पर जानकारी दी। जंतु विज्ञान विभाग के डॉ अभिषेक सिंह ने बताया कि वन्य जीवों को दुनिया भर में खतरे का सामना करना पड़ रहा है और दुनिया भर के अवैध बाजारों में भारत की वनस्पति और जीव जंतुओं की मांग लगातार जारी है। वन्य जीवों के अवैध व्यापार के कारण कई प्रजातियाँ लुप्त होने की कगार पर हैं। हम सबको इसके लिए उचित प्रयास करने होंगे। संगोष्ठी के बाद महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई। उसके बाद जंतु विज्ञान विभाग में स्लोगन, वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विश्विद्यालय के विज्ञान संकाय के डीन प्रो अरुण कुमार श्रीवास्तव, प्रो किरण मिश्रा, प्रो अरुण कुमार तिवारी, डा विक्रांत पटेल, विजय पांडेय, विनोद कनौजिया अयूब आदि उपस्थित रहे।

बेल्हा देवी के नाम से जाना जाएगा प्रतापगढ़ स्टेशन

अंतू व विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन के नाम भी बदले

सांसद संगम लाल गुप्ता के पत्र पर रेलवे ने लगाई मुहर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के तीन रेलवे स्टेशन अब उस इलाके में स्थित धार्मिक और पौराणिक स्थलों के नाम से जाने जाएंगे। प्रतापगढ़ को मां बेल्हा देवी, अंतू को मां चंद्रिका देवी और विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन को अब शनिदेव धाम के नाम से जाना जाएगा। रेलवे ने तीनों स्टेशन के नाम बदलने के सांसद संगम लाल गुप्ता के पत्र पर मुहर लगा दी है। मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (सीसीएम) उत्तर रेलवे नई दिल्ली की तरफ से गुरूवार देर शाम इस आशय का पत्र भी निर्गत हो गया है जिसमें तीनों स्टेशनों के नाम परिवर्तन की घोषणा की गई है। यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हैं। बता दें कि तीनों स्टेशनों के नाम बदलने की कवायद काफी समय से चल रही थी। जिसके लिए सांसद संगम लाल ने जिला अधिकारी को पत्र भेजा था। डीएम ने यह पत्र शासन को भेजा था। गृह मंत्रालय की सहमति के बाद रेल मंत्रालय ने इस पर मुहर लगाई है। सीसीएम ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

क्या कहते कहते अधिकारी?

प्रतापगढ़। सीनियर डीसीएम उत्तर रेलवे, मंडल लखनऊ रेखा शर्मा ने बताया कि प्रतापगढ़, अंतू और विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन का नाम परिवर्तित हो गया है। कंप्यूटर में फीडिंग के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रमोद तिवारी तथा मोना के प्रयास से एक्सप्रेस वे पर अण्डरपास को मिली मंजूरी

अखंड भारत संदेश

आवागमन में होने वाली कठिनाईयों के समाधान पर खुश हुए ग्रामीण

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के लगातार प्रयासों से अब निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर सड़क को यथावत बनाए रखते हुए अण्डरपास की मंजूरी की सफलता मिली है। निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेस वे रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र से भी गुजर रहा है। जहानाबाद लवाना मार्ग पर जहानाबाद-देवारा के बीच निर्मित हो रहे इस एक्सप्रेस वे के अर्रो के बंधवा में सड़क पर ही ऊंचा कर इसे बनाए जाने की कवायद शुरू हुई। यह जानकारी बंधवा के ग्रामीणों के साथ समीपवर्ती देवारा, कामापटटी, भरतपुर आदि के लोगों को भी हुई। इससे कई गांवों व पुरवों के किसान तथा ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। नाराज ग्रामीणों ने इसकी सूचना क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी को दी।

विधायक मोना के निर्देश पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ग्रामीणों से वार्ता करने पहुंचे। इस बीच सड़क पर ही एक्सप्रेस वे बनाए जाने के प्रस्ताव पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना ने एक्सप्रेस वे अथारिटी से बातचीत कर इसे अनुपयुक्त प्रस्ताव ठहराया। प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने अफसरों को बताया कि सड़क पर ही ऊंचा कर एक्सप्रेस वे गुजरेगा तो बंधवा के किसानों को अपने खेतों में किसानी के लिए पहुंचना बेहद कठिन हो जाएगा।

वहीं विधायक मोना ने इस प्रस्ताव पर असहमति जताते हुए कहा कि इसके चलते देवारा, कामापटटी, भरतपुर जैसी बड़ी राजस्व ग्राम पंचायतों व कई पुरवों के लोगों का रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक पहुंचना भी दूभर होगा। विधायक मोना के मुताबिक इन गांवों के लोगों को ब्लाक मुख्यालय पहुंचने के लिए तीन किलोमीटर अधिक की दूरी तय करनी पीड़ाजनक होगी। इधर नई दिल्ली में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय से भी एक्सप्रेस वे अथारिटी के इस प्रस्ताव पर कड़ी नाराजगी जतायी। विधायक मोना तथा सांसद प्रमोद तिवारी के बातचीत के कई दौर के बाद अब आखिर में एक्सप्रेस वे अथारिटी ने अण्डरपास की मंजूरी को हरी झंडी दिखायी है। रामपुर खास में इस करोड़ों की लागत से बनने वाले अण्डरपास की मंजूरी की जानकारी शुक्रवार को क्षेत्रीय लोगों को हुई तो वह खुशी से चहक उठे।

चपरासी की मौत के मामले मे पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय परियावां (मिडिल स्कूल) में अनुचर चपरासी जय प्रकाश यादव की मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि मृतक की पत्नी व परिजन लोग शव का अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया था। मामले की जानकारी होने पर पुलिस महकमा मे हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी सुधीर कुमार सोनी अपने उप निरीक्षक व सिपाहियों के साथ मृतक के घर पहुंच गये जहा परिजनों ने पुलिस से शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। परिजनों का कहना है कि जय प्रकाश की हत्या करके शव को स्कूल मे लटका दिया ताकि पुलिस घटना को आत्म हत्या समझकर मामले की इतिश्री कर ले। पुलिस ने आनन फानन मे तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ धारा 302 का मुकदमा दर्ज कर उसकी नकल कॉपी परिजनो को दिया जिसके बाद परिजन लोग लगभग एक बजे शव का अंतिम संस्कार करने को राजी हुये जिससे पुलिस ने राहत की सांस ली। परिजनों ने गंगाघाट किनारे अंतिम सँस्कार किया जिसमे भारी संख्या मे ग्रामवासी गण मौजूद रहे।

पहाड़ा सुनाने पर डिन्टी कमिश्नर हुए खुश, बच्चे को दिया पुरस्कार, शिक्षकों की किया सराहना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। माडल प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ का डिप्टी कमिश्नर एनआरएलएम ने गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 19 का पहाड़ा सुनाने पर जहां एक बच्चे को पुरस्कृत किया वहीं शिक्षकों की सराहना की। डिप्टी कमिश्नर डा. नागेंद्र नारायण मिश्र ने विद्यालय में 19 पैरामीटर्स के संतृप्तीकरण की भौतिक स्थिति को देखा। स्कूल में पंजीकृत 184 के सापेक्ष 156 विद्यार्थी उपस्थित मिले। इस दौरान उन्होंने कक्षा तीन व चार के बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता परखी। कक्षा तीन के आरुष शर्मा ने 19 का पहाड़ा सुनाया, इस पर उन्होंने 100 रुपये का पुरस्कार देकर सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्वस्थ्य रहने के गुर के अलावा संस्कार, शिष्टाचार को प्रभु राम की तरह माता-पिता गुरुजनों के सम्मान व चरण वंदन करने पर जोर दिया। शिक्षिका विजेता चावला के शैक्षणिक प्रयास की प्रशंसा की। कक्षा चार के अंकित प्रजापति ने श्लोक सुनाया। शिक्षिका हेमा तिवारी की सराहना की। हेडमास्टर अजय प्रकाश दुबे ने निपुण बच्चों की संख्या एवं विद्यालय में शिक्षकों के द्वारा कृत प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर सुशील सिंह,रचना सिंह, प्रिया चैरसिया रहीं।

बच्चे से पहाड़ा सुनते डिप्टी कमिश्नर।

ब्राह्मण समाज पर हो रही घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय परशुराम सेना ने सौंपा ज्ञापन

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कठोर कार्यवाही की उठाई मांग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय परशुराम सेना द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सम्बोधित चार सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को दिया गया जिसमें सुल्तानपुर, देवरिया, मिजार्पुर, प्रयागराज सहित जनपदों में ब्राह्मणों की लगातार हत्याओं से समूचा प्रदेश दहल गया है, जिससे ब्राह्मण आक्रोशित है।

राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ल ने कहा विगत दिनों सुल्तानपुर में डॉक्टर घनश्याम तिवारी की क्रूरतापूर्ण ढंग से हत्या कर दी गई, जिसमे जिसमें आज तक डॉक्टर घनश्याम तिवारी के परिजनों को न्याय नही मिला। वहीं पर राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने कहा देवरिया में सत्य प्रकाश दुबे के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई, जिसमे सत्य प्रकाश दुबे के बचे हुए परिवार को संतोष जनक

जिलाधिकारी को ज्ञापन देते परशुराम सेना के पदाधिकारी।

न्याय नहीं मिला और न तो सहायता राशि दी गई। वहीं पर कॉग्रेस के सदर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर नीरज तिवारी ने आक्रोश जताते हुए कहा कि प्रयागराज में विकलांग पुजारी मणीन्द्र मणि त्रिपाठी की निर्मम हत्या हुई जिसमें आज तक प्रशासन हत्यारों का पता नहीं लगा सकी। राष्ट्रीय परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष अनिल पाण्डेय ने शासन प्रशासन द्वारा ठोस कार्यवाही न होने का आरोप लगाया। ज्ञापन देने वालों में मनीष दुबे, विनय मिश्र, अरुण पाण्डेय, दिनकर दुबे, रंजन शुक्ल, नवीन तिवारी, नीरज मिश्र, रामरतन तिवारी, ऋतुराज दुबे, देवमणि पाण्डेय, ओम प्रकाश तिवारी एडवोकेट आशीष शुक्ल, विकास शुक्ल, वेदांत तिवारी, प्रदीप पाण्डेय, दुर्गेश पाण्डेय शिवकांत पाण्डेय सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सिविल जज पर वकीलों का मनमानीपूर्ण आचरण का आरोप, विरोध स्वरूप दिया धरना

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय दीवानी न्यायालय में विभिन्न मांगो को लेकर अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को न्यायिक कामकाज का बहिष्कार किया। नाराज वकीलों ने परिसर में धरना देकर सिविल जज पर मुकदमों की सुनवाई में मनमानी के आरोप भी मढ़े। वकीलों के कामकाज के बहिष्कार के चलते दीवानी अदालत में न्यायिक गतिरोध देखा गया। लालगंज स्थित सिविल न्यायालय परिसर में शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने संयुक्त अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी की अगुवाई में बैठक किया। बैठक में अधिवक्ताओं ने यह आरोप लगाया कि मौजूदा सिविल जज जूनियर डिवीजन का आचरण पूरी तरह से मनमानी के रवैये से लिप्त हो उठा है। वकीलो का कहना है कि सिविल जज के कारण विधिक कार्य समुचित ढंग से संचालित नही हो रहे हैं। उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने बैठक के बाद पारित प्रस्ताव के तहत जिला जज को संबोधित ज्ञापन सिविल जज के कार्यालय में मौजूद पेशकार को सौंपा। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय में मुकदमों में तारीख भी देने के लिए सिविल जज समय नहीं प्रदान किया करते हैं।

मोदी सरकार में हुआ ऐतिहासिक विकास कार्यः सांसद विनोद सोनकर

मोदी सरकार के विकास कार्यों की आम जनमानस की सराहना

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। मोदी सरकार की उपलब्धियो को शुक्रवार को कुंडा विधानसभा के नगर पंचायत मानिकपुर के चैकापारपुर में सांसद कौशाम्बी, सभापति संसदीय आचार समिति लोकसभा,प्रभारी दादरा नगर हवेली एवं दमनदीव विनोद सोनकर ने उपस्थित जन समूह के बीच बताया।

सांसद विनोद सोनकर ने कहा कि मोदी सरकार में विकास कार्य आम जनमानस तक पहुंच रहा है। आज गांवों में भी प्रधानमंत्री आवास दिखाई पड़ रहे। उज्ज्वला गैस सिलेंडर में अब 300 रुपए की सब्सिडी दिया जा रहा है। यह पहली सरकार जिसने गांव, गरीब, किसान, युवाओं, महिलाओं के हित में कार्य किया जा रहा है। मोदी सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके बाद नगर पंचायत के बभनपुर,लाटतारा, हुलास राय का पुरवा,बजहाभीट,भोला का पुरवा,चैरही,शाहाबाद वार्डो में सांसद विनोद सोनकर ने सम्पर्क से समर्थन मांगा। सभी कार्यक्रमों में उपस्थित जन समूह ने हांथ उठा कर अपना समर्थन दिया। इस मौके पर भाजपा नेता पूर्व प्रत्याशी शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, सांसद मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय, पूर्व प्रत्याशी योगेन्द्र नाथ मिश्र मौला, कमलेश सोनकर, चेयरमैन मानिकपुर प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल डिंपू, हरिकेश शुक्ल, गुड्डू पाण्डेय, राम मूरत पटेल, अनिल पटेल, सभासद विमल पाण्डेय,संतोष तिवारी, शिव मूरत दूबे, पूर्व प्रधान संतोष मिश्र,शैलेश शर्मा, सरोज त्रिपाठी, प्रधान सूरज शुक्ल, शिवम् शुक्ल, ओम प्रकाश दीक्षित, नगर पंचायत मानिकपुर के अधिशाषी अभियंता अजीत सिंह सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ने एनसीसी प्रशिक्षण कैम्प में प्रशिक्षु कैडेटों से परिचय प्राप्त किया

डिप्टी सीएम ने कहा कि एनसीसी, जीवन को संयमित अनुशासित एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का माध्यम

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कौशाम्बी पब्लिक स्कूल कसिया-ककोढ़ा द्वारा आयोजित एनसीसी प्रशिक्षण कैम्प पहुॅचकर कैडेटों की परेड गॉड-आफ-ऑनर एवं फायरिंग ड्रिल का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षु कैडेटों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी ,जीवन कोसंयमित, अनुशासित एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का माध्यम है कमाडिंग ऑफिसर श्री एस वैंकटेश, सूबेदार मेजर आनन्द वल्लभ, एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेन्ट करनवीर एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय प्रताप कुशवाहा ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया। बतादें, कि 17 यूपी बटालियन एनसीसी के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में लगभग 20 विद्यालयों से 550 कैडेट ने हिस्सा लिया है इस अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं पूर्व विधायकगण लाल बहादुर एवं संजय गुप्ता उपस्थित थे।

अधिकारियों से न्याय ना मिलने पर डिप्टी सीएम से शिकायत

भीड़ के बीच तमाम लोगों का थाना पुलिस तहसील के अधिकारी और जिले के अधिकारियों से न्याय न मिलने का साफ झलक उठा दु:ख

कोखराज कौशाम्बी। दो दिवसीय कौशांबी भ्रमण के दौरान उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य कशिया पेट्रोल पम्प पर पहुचे जहां पहले से उनसे मुलाकात करने के लिए लोगों का जमावड़ा लगा रहा जैसे ही डिप्टी सीएम का काफिला पेट्रोल पंप पर पहुँचा केशव प्रसाद मौर्य जिंदाबाद के नारे से पूरा इलाका गूंज उठा मौके पर मौजूद भीड़ से उन्होंने एक-एक कर सबका हाल-चाल जाना और लोगों का दुख दर्द बांटा इस दौरान वहां पर मौजूद तमाम ग्रामीणों ने प्रशासनिक व्यवस्था से न्याय न मिलने की शिकायत कर न्याय दिलाने की फरियाद की भीड़ के बीच तमाम लोगों का थाना पुलिस तहसील के अधिकारी और जिले के अधिकारियों से न्याय न मिलने का दुख साफ झलक उठा जिस पर डिप्टी सीएम ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को मामलों की जाँच करा कर कार्यवाही करने व निस्तारण करने को निर्देशित किया उसके बाद एन सी सी की ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण किया मौके पर जिलाधिकारी ,मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य, पूर्व विधायक संजय गुप्ता,पूर्व विधायक लाल बहादुर चौधरी, कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष शिवमोहन मौर्य, सहित इस दौरान तमाम लोग मौजूद रहे।

पिता के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

कोखराज कौशाम्बी। 2 दिन कौशांबी भ्रमण के दौरान प्रदेश के डिप्टी सीएम शुक्रवार को अपने पैतृक घर सिराथू पहुंचे हैं और वहां पिता के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए हैं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को अपने पिता जी स्व0 श्यामलाल मौर्य की पुण्यतिथि पर सिराथू स्थित पैतृक निवास पहुचे और अपनी माता जी तथा बड़े भाइयों व परिजनों के साथ पूजन एवं हवन का अनुष्ठान किया और उनके स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने पिता के चित्र के सामने कहा कि आपके विचार व आपका विराट व्यक्तित्व मुझे सदैव निःस्वार्थ भाव से जनता की सेवा तथा विकास कार्यों के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

न्यूज झरोखा

जनपद में मोदी वैन ग्रामीणों का कर रही इलाज

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। सिराथू तहसील के भटपुरवा बरौली गांव में रह रहे ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सुविधा आसानी से सुलभ हो सके इसके लिए जनपद में मोदी वैन स्वास्थ्य टीम गांव गांव जाकर लोगों का इलाज कर रही है। शुक्रवार को सिराथू तहसील के बम्हरौली के भटपुरवा गांव में मोदी वैन स्वास्थ्य टीम पहुंची। वैन के पहुंचते ही ग्रामीणों का हुजूम इलाज के लिए उमड़ पड़ा। मोदी वैन स्वास्थ्य टीम में डा. सुरेंद्र सुखपाल सिंह, एल टी अरविंद कुमार, वार्ड ब्वाय, रामसिंह ने आए हुए मरीजों का इलाज करते हुए उन्हे दवाएं वितरित किया। डाक्टर ने बताया की आए हुए लोगों में जुखाम, बुखार, खुजली, इन्फेक्शन, आदि की बीमारियों की जांच की गई। गांव के विपिन कुमार त्रिपाठी और परशुराम ने फोन के माध्यम से जानकारी देने पर वैन ने आकर इलाज किया।

टॉपर बच्चो को पुरस्कार दे कर किया सम्मानित

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। तहसील सिराथू के झंडापुर बम्हरौली रोड पर एम बी ओ कान्वेंट के बच्चे के फस्ट ईयर की परीक्षा मे टाप टेन मे आने पर बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए बच्चो को पुरस्कार देकर प्रबंधक असहद रजा ने बच्चो को सम्मानित किया और बच्चो के अभिभावक को बुलाकर प्रबंधक ने जानकारिया दी इस मौके पर मो इसहाक वेद प्रकाश आशा देवी नेहा बीनू नीतू रेखा प्रियंका पुष्पा ने बच्चो को पढ़ाई के विषय की जानकारियां दी।

नारा लेखन एवं स्वच्छता की दिलाई गई शपथ

कौशाम्बी। जन शिक्षण संस्थान कौशांबी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षण केंद्र भरवारी में दिनांक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता अभियान मनाया जा रहा है इस कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक राजकुमार पांडे ने संस्थान की समस्त गतिविधियों को एवं स्वच्छता अभियान के बारे में विस्तृत चर्चा की और संस्थान के निदेशक ने 6 अक्टूबर को सभी स्टाफ प्रशिक्षिका एवं प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और नारा लेखन चार्ट पेपर पर सभी प्रतिभागियों से लिखवाया गया स्वच्छता की शपथ दिलाई गई कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं थी बल्कि एक स्वच्छ भारत एवं विकसित देश की कल्पना भी थी महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया मैं गंदगी ना करूंगा ना किसी को करने दूंगा इस कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संजय सिंह सहायक कार्यक्रम अधिकारी विजेंद्र मिश्रा रूबी देवी वैष्णवी आरती पूजा अवंतिका शालिनी खुशबू माया महिमा लगभग 40 प्रतिभागी मौजूद थे

सेवामित्र पोर्टल एप काल सेन्टर से सम्पर्क कर कुशल कारीगरों की सेवायें प्राप्त करें

कौशाम्बी शासन की मंशानुसार समस्त सेवा प्रदाताओं/वेंडर/दुकानदार यथा- कारपेंटर,एसी सर्विस मैकेनिक, टैक्सी सर्विस, इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर, रंगाई, पुताई आदि की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न सरकारी संस्थानों एवं आमजनमानस को सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सेवायोजन विभाग द्वारा सेवामित्र पोर्टल एप/कॉल सेंटर-155330 विककित किया गया हैं। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने देते हुए बताया कि सेवाओं का उपयोग घर बैठे कालसेन्टर नं0-155330 पर कॉल कर सेंवायें प्राप्त कर सकतें हैं।

भ्रष्ट लेखपाल ने भूमिधरी जमीन पर लगी फसल को पहुंचाया नुकसान शिकायत

कौशाम्बी। गांव स्तर पर तैनात लेखपालों की और जमीनों पर विवादित फैसलों के चलते इन दिनों प्रदेश की सरकार की भरपूर किरकिरी का कारण लेखपाल बनते रहें हैं। इस तरह के संवेदन मामलों के विषय में सरकार ने दिशा निर्देश भी जारी किए हैं, लेकिन इसके बाद भी यह सरकारी कर्मचारी किसी भी प्रकार से सरकार की सुनने को तैयार ही नही है। अभी हाल के ही दिनों में एक जमीनी विवाद में जिले के संदीपन घाट थाना क्षेत्र में तीन लोगों को मौत के घाट उतारा गया था, कोखराज थाना क्षेत्र के नौढिया गांव में भी जमीन की नाप जोक के बहाने किसान की हत्या कर दी गई है यही नहीं देवरिया में एक पूरे खानदान के कत्ल का कारण जमीनी विवाद रही है। ऐसा ही कुछ मामला तहसील क्षेत्र के गांव में देखने को मिला है। जहां लेखपाल ने एक दबंग के इशारे पर भूमिधरी जमीन ट्रैक्टर से जुतवाने की कोशिश की, जिससे किसान की फसल को नुकसान पहुंचा है। मौके पर पहुंचे किसान ने किसी तरह से अपनी फसल को कह सुन कर बचाया। मामले में उप जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए पीड़ित ने बताया कि उनके गांव में भूमि जमीन है इस पर उसने धान की फसल लगा रखी है। इस जमीन पर गांव में तैनात लेखपाल ने ट्रैक्टर चला दिया जिसके चलते उसके फसल को नुकसान पहुँचा है मौके पर पहुंचे किसान ने किसी तरीके से हाथ पैर जोड़कर अपनी फसल को बचाया। इस दौरान दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए जिसके कारण बड़ा हादसा भी हो सकता था मामले में पीड़ित ने शिकायत करते हुए बताया कि गांव में तैनात लेखपाल की गांव के विपक्ष के लोगों के साथ मिली भगत के चलते विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई है लोगों को परेशान करने की नीयत से लेखपाल के सहयोग से दबंग ऐसा करते रहते हैं। यही नहीं गांव में कई अन्य लोगों ने भी अपनी भूमिहारी जमीन पर लेखपाल द्वारा जबरिया हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। मामले में पीड़ित ने उप जिलाधिकारी मंझनपुर से न्याय की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

माध्यमिक विद्यालयों की 25वीं जनपदीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता धर्मा देवी इण्टर कॉलेज में आयोजित

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। माध्यमिक विद्यालयों की 25वीं जनपदीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में 6 अक्टूबर को किया गया।जिसमे जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेश मिश्र रहे मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम माँ शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर तथा राइफल शूटिंग रेंज का फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।सब जूनियर बालिका वर्ग राइफल (अंडर-14) में शिखा वर्मा धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान तथा पलक जायसवाल धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को द्वितीय स्थान एवं चित्रा धनपत्ती देवी श्याम नारायण थुलगुला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इसी क्रम में हुयी प्रतियोगिता में जूनियर बालिका वर्ग राइफल (अंडर-17) में मधु देवी धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान तथा रेशमा देवी धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को द्वितीय स्थान एवं आरुषी सक्सेना धनपत्ती देवी श्याम नारायण थुलगुला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अगले क्रम में हुयी सीनियर बालिका वर्ग राइफल (अंडर-19) में साक्षी देवी धनपत्ती देवी श्याम नारायण थुलगुला को प्रथम स्थान एवं आकांक्षा सक्सेना धनपत्ती देवी श्याम नारायण थुलगुला को द्वितीय स्थान एवं पिंकी देवी धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तथा सब जूनियर बालिका वर्ग (अंडर-14) पिस्टल में गरिमा मिश्रा धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। तथा इसी क्रम में जूनियर बालिका पिस्टल(अंडर-17) में नीलू कुशवाहा धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान,रुषमा देवी धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को द्वितीय स्थान तथा सोनाली निर्मल धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तथा सीनियर बालक राइफल(अंडर-19) में राजवर्धन सिंह धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान एवं आजाद राजकीय आश्रम पद्धति ककोढा को द्वितीय स्थान एवं शिवम विश्वकर्मा राजकीय आश्रम पद्धति ककोढा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सबजूनियर बालक राइफल(अंडर-14) में दिव्यांश सिंह धर्मा देवी इण्टर कॉलेज को प्रथम स्थान,मोहित राजकीय आश्रम पद्धति को द्वितीय स्थान तथा आदित्य कुमार राजकीय आश्रम पद्धति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ तथा जूनियर बालक राइफल(अंडर-17) में यश जायसवाल धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान, सिद्धार्थ कुमार दिवाकर धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को द्वितीय स्थान तथा मनीष कुमार बाल्मीकि धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।सीनियर बालिका पिस्टल (अंडर-19) में महेक धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को प्रथम स्थान,रचना धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को द्वितीय स्थान तथा अमिता सिंह धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के अवसर पर लाल बहादर मिश्र महेन्द्र सिंह श्याम लाल चन्द्र भूषण पाण्डेय शिव प्रकाश राजपूत दिनेश कुमार प्रशान्त त्रिपाठी अमित त्रिपाठी शुभनेत्र कुमार कु.जागृति सिंह शतेन्द्र कुमार रामचन्द्र ललित कुमार धनवन्तरि कुमार मुलायम सिंह रामहित त्रिपाठी अमित यादव पुनीत अग्रहरि धर्मेन्द्र कुमार शास्त्री आदि शिक्षक एवं समस्त प्रतिभागी छात्र छात्रायें उपस्थित रहें। अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रामकिरण त्रिपाठी एवं विद्यालय के प्रबंधक रामसुभग त्रिपाठी ने आये हुए अतिथियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रामशंकर सिंह ने किया।

गायब बालिका को दो लड़कों के साथ पुलिस ने किया बरामद

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के पुलिस चौकी टेवा अंतर्गत ग्राम पंचायत ऊनो के मजरा की एक नाबालिग बालिका को 4 अक्टूबर को गांव के दो युवक सोनू और नीरज बाइक से उठा ले गए बताया जाता है कि बालिका अपने बहन के साथ खेत में शौच के लिए गयी थी इसी बीच बाइक सवार युवक नाबालिक बालिका को उठा ले गए खेत से वापस घर लौटी बालिका की बहन ने परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी बालिका के पिता रोजी रोटी के चक्कर में पानीपत में रहते हैं उन्होंने मामले की सूचना फोन के जरिए मंझनपुर कोतवाल और पुलिस अधिकारियों को दिया बालिका के गायब होने की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी दोनों युवक सोनू और नीरज को बालिका के साथ पकड़ लिया पुलिस तीनों को पुलिस चौकी लाई जानकारी मिलते ही युवक के परिजन और बालिका के परिजन भी पुलिस चौकी पहुंच गए मामले में मुकदमा दर्ज करने के बजाय सुलह समझौते का दबाव शुरू हो गया आरोप है कि बालिका की मां से सादे कागजात पर अंगूठा लगवा कर के सुलहनामें का ढोंग शुरू कर दिया गया है जबकि बालिका की मां लगातार बालिका के साथ बलात्कार किए जाने की बात कर रही थी समय सीमा के अंदर बालिका का मेडिकल परीक्षण कराया जाना आवश्यक था लेकिन चौकी पुलिस ने बालिका का मेडिकल परीक्षण नहीं कराया है जिससे बालिका के मां द्वारा लगाए गए आरोप के साक्ष्य नष्ट हो गए और आरोपियों को इसका लाभ आगे मिल जाएगा लेकिन बालिका की माँ इस सुलहनामे से सहमति नहीं जता रही है घटना को दो दिन बीत जाने के बाद मामले में पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है पुलिस ने बालिका का मेडिकल परीक्षण नहीं कराया है आरोपी युवकों के साथ बालिका के बरामद होने के इस मामले में चौकी पुलिस टेवा की भूमिका सवालों के घेरे में है।

सरकारी बबूल की झाड़ियों की खरोंच से चोटिल हो रहे हैं राहगीर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विकास खण्ड मंझनपुर के निजामपुर हड़िया से रामचरन का पूरा जाने वाली पक्की सड़क के किनारे लगभग एक किलोमीटर सरकारी बबूल की झाड़ी पूरी सड़क में फैली है जिससे आने जाने वाले राहगीर झाड़ी की खरोंच से चोटिल हो रहे हैं लोगों का इस सड़क पर पैदल चलना दूभर हो चुका है। अक्सर झाड़ियों में फसकर लोगों के कपड़े भी फट जाते है जो पूरी तरह से चलने योग्य नहीं हैं इस सड़क पर कई छोटे मोड़ हैं झाड़ी की वजह से राहगीर समझ नहीं पाते और टकराकर दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। झाड़ियां का फायदा चोर उचक्के भी उठाते हैं और आए दिन घटनाओं को अंजाम देते हैं जानकारी के मुताबिक कई गांव के लोग अपने जीविका उपार्जन के लिए इसी सड़क से टेवां बाजार जाते हैं सड़क पर फैली झाड़ी की वजह से उन्हें अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क से आस पास गांव के लोग पूरी तरह से परेशान हो चुके हैं जिससे राहगीरों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। फिलहाल लोगों ने विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए झाड़ियों की कटान करवा करके पक्की सड़क को गन्दगी और झाड़ियों से मुक्त करवाने की मांग की है।

117 करोड़ की लागत से रिवैम्प योजना के तहत एलटी लाइन के खुले तारों को केबिल से बदलने का कार्य जारी

अखंड भारत संदेश

28 करोड़ की लागत से 744 ट्रान्सफार्मरों की क्षमतावृद्धि की जायेगी

कौशाम्बी। रिवैम्प योजना के अन्तर्गत जनपद में कुल 117 करोड़ की लागत से एल0टी0 लाइन के खुले तारों को केबिल से बदलने का कार्य 1058 स्थानों पर प्रस्तावित है, जिसमें 158 स्थानों पर केबिल लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही कृषि उपभोक्ताओं के लिए 37 नग अलग से पृथक कृषि पोषक का निर्माण कार्य चल रहा हैं विभागीय बिजनेश प्लान योजना के अन्तर्गत कुल आवंटित धनराशि रू0 28 करोड से 744 नग ट्रान्सफार्मरों की क्षमतावृद्धि प्रस्तावित है यह जानकारी अधिशासी अभियंता, विद्युत ने देते हुए बताया कि 02 विद्युत उपकेन्द्रों-भरसवां एवं मूरतगंज के पावर परिवर्तकों की क्षमतावृद्धि एवं 146 किमी जर्जर तार बदलने के लिए प्रस्तावित है। विद्युत व्यवस्था सुधार के लिए माह 01 अक्टूबर 2023 से सभी उपकेन्द्रों पर अनुरक्षण माह के रूप में परिवर्तकों एवं लाइनों के सुदृढीकरण का कार्य किया जा रहा है।

लाखों की रकम खर्च के बाद पानी को तरस रहे ग्रामीण

कौशांबी। जिले के मंझनपुर ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर मजरा मोज्जमपुर में लाखों रुपए की रकम खर्च करने के बाद बूंद बूंद पानी को ग्रामीण तरस रहे है यह एक ऐसा गांव है जो भ्रष्टाचार की हमेशा सुर्खियों बटोरता रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि हैण्ड पम्प मरम्मत के नाम से ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने लाखों रुपए की रकम सरकारी खजाने से निकाल लिया है लेकिन गांव में खराब हैण्ड पम्प की मरम्मत नही कराई गई है जिससे पानी की समस्या विकराल बनी हुई है जबकि चौपाल में अधिकारियों के सामने प्रधान से कहा था कि जो हैण्ड पम्प में खराबी हो बताओ समान मिलेगा लेकिन हैण्ड पम्प मरम्मत का समान देने से ग्राम प्रधान ने इंकार कर दिया है जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है क्षेत्र के लोगों ने गांव में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच कराए जाने और दोषियों को दंडित किए जाने की मांग की।

अषाढा पुलिस चौकी क्षेत्र में संगठित अपराध का बोलबाला

महेवाघाट कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना और अषाढा पुलिस चौकी क्षेत्र में इन दिनों संगठित अपराध का बोलबाला है पुलिस चौकी इंचार्ज और थाना अध्यक्ष की मिली भगत से क्षेत्र में जुआ की फड़ गो तस्करी अवैध शराब भट्ठी अवैध लकड़ी कटान लकड़ी माफिया कर रहे है इलाके में अवैध मिट्टी खनन जोरों पर चल रहा है अषाढा ग्राम सभा में बना अमृत सरोवर जुआरियों एवं नशेड़ियों का अड्डा बन गया है जिससे आम जनमानस का जीना मुहाल हो गया है चौकी इंचार्ज के होते हुए भी थाना और चौकी की पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है आरोप है कि संगठित अपराध के धंधे में लगे लोग दलालों के सहारे पुलिस चौकी तक मोटी रकम पहुँचा रहे हैं जिससे पुलिस चौकी इंचार्ज संगठित अपराध में लिप्त लोगों पर कार्यवाही करते नहीं दिख रहे हैं।

सड़क पर भरा पानी ग्रामीणों को आने-जाने में होती है दिक्कत

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के कडा.विकासखंड के गांव बसवारी मे सड़क पर पानी भर जाने से लोगों को आने जाने मे दिक्कत होती है सड़क में जगह-जगह गड्ढे हैं जल निकासी की व्यवस्था न होने से सड़कों में पानी भरा रहता है आए दिन सड़क पर गिर कर लोग चोटिल हो रहे हैं बार-बार ग्रामीण ग्राम प्रधान से लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय तक सड़क मरम्मत की मांग कर रहे हैं लेकिन ग्रामीणों की आवाज सुनने वाला शायद योगी सरकार में कोई नहीं है इलाके के सांसद और विधायक भी जन समस्याओं को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी बात तो करते हैं लेकिन हकीकत में जन समस्याएं दूर नहीं कर पा रहे हैं चुनाव होने के बाद नेता या तो अधिकारी के आगे पीछे टहलते देखे जाते हैं या फिर इलाके से गायब हो जाते हैं जिससे आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पता है आने वाले लोकसभा चुनाव में इलाके के लोग सांसद प्रत्याशियों को करारा जवाब देने को तैयार दिखाई पड़ रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के समय हल्की बारिश में सड़क में पानी भर जाने से आने जाने में अधिक दिक्कत होती है योगी सरकार की योजना को ग्राम प्रधान चौपट कर रहे है जिससे ग्रामीणों के बीच जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है सड़क में पानी भरे रास्ते से प्रतिदिन स्कूली बच्चों को स्कूल आना जाना पड़ता है स्कूली बच्चे मुसीबत से स्कूल पहुंच पाते हैं बीमार बुजुर्ग भी अस्पताल और बाजार इसी रास्ते से जाते हैं लेकिन उसके बाद भी ग्राम पंचायत से लेकर विकासखंड कार्यालय तक सड़क बनाने का प्रयास नहीं हो सका है इलाके के लोगों ने योगी सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए जल भराव वाली सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत उद्योग स्थापित करने के लिए करें आनलाइन आवेदन

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए इच्छुक व्यक्ति (जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो) ऑनलाइन आवेदन कर सकतें हैं। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चन्द्र शेखर वर्मा ने देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत विनिर्माण उद्योग के लिए अधिकतम 50 लाख रुपए तथा सेवा उद्योग के लिए प्रोजेक्ट काष्ट 20 लाख तक के लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के अनु0जाति, अनु0जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, भूवपूर्व सैनिक एवं महिला लाभार्थियों को स्वीकृत ऋण पर 35 प्रतिशत अनुदान व सामान्य वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान है। शहरी क्षेत्र में आरक्षित वर्ग को 25 प्रेषित अनुदान व सामान्य वर्ग को 15 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय, विकास भवन कक्ष सं0-44 मंझनपुर से प्राप्त की जा सकती है।

सरकारी अस्पताल में अवैध पार्किंग होने से एंबुलेंस और मरीजों को आने-जाने में होती है दिक्कत

अखंड भारत संदेश

छूटभैया दलाल अपने आप को बता रहा है बड़े नेताओं का करीबी सरकारी अस्पताल का ग्राउंड बना दिया अवैध कार पार्किंग

कौशाम्बी। मूरतगंज ब्लॉक छेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज का ग्राउंड अवैध कार पार्किंग का अड्डा बन गया है जिससे मरीज और एंबुलेंस को आने-जाने में दिक्कत होती हैं इस मामले को लेकर कई बार कहांसुनी भी हो चुकी है लेकिन सरकारी अस्पताल को कार पार्किंग अड्डा बनाने वाले छूटभैया नेता बड़े नेताओं के नाम पर रौब गांठते हैं जिससे अस्पताल के डॉक्टर भी इस छूटभैया नेता के कार पार्किंग पर रोक नहीं लग पा रहे हैं सरकारी अस्पताल मूरतगंज में मरीज को लेकर आने वाले वाहनों को खड़े करने में दिक्कत होती है गंभीर मर्ज से पीड़ित तड़पते मरीजों को अस्पताल परिसर से बाहर वाहनों को उतरना पड़ रहा है लेकिन उसके बाद भी अस्पताल को पार्किंग बनाने वाले लोग अपने वाहनों को अस्पताल से नहीं हटा रहे हैं सरकारी अस्पताल में बाहरी लोगों के वाहनों के कार पार्किंग के चलते एंबुलेंस खड़ी होने में दिक्कत होती है लेकिन अभी तक यह दबंग नेता अपने को बड़े नेताओं का खासम खास बता कर वाहन हटाने को तैयार नहीं है जिससे अस्पताल में आने वाले मरीज और एंबुलेंस की दिक्कतें कम होती नहीं दिख रही हैं मरीज और उनके परिवार के लोगों ने इस और डीएम एसपी का ध्यान आकर्षित कराया है।

संपादक की कलम से

बहु गुणकारी हल्दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा से सप्ताह भर के भीतर ही केंद्र सरकार ने बुधवार को राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दी। यह बोर्ड देश में हल्दी की खेती और उसके उत्पादों के विकास पर ध्यान देगा। जागरूकता लाने एवं खपत के साथ निर्यात बढ़ाने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार की तलाश करेगा। इससे छोटे एवं सीमांत किसानोंकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इस बोर्ड का मकसद साल 2030 तक हल्दी निर्यात को पांच गुना बढ़ाकर 1 अरब डॉलर तक पहुंचाने की है। बहु गुणकारी हल्दी के औषधीय गुणों के चलते दुनिया भर में इसकी माँग बनी रहती है। ऐसे में हल्दी बोर्ड जागरूकता और खपत बढ़ानेए निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने के अलावा नए उत्पादों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और मूल्य वर्धित हल्दी उत्पादों के लिए हमारे पारंपरिक ज्ञान के विकास का काम करेगा।

भारत विश्व में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। वर्ष 2022.23 में 11.61 लाख टन का उत्पादन भारत में हुआ था। देश के 20 से अधिक राज्यों में हल्दी की खेती होती है। सबसे ज्यादा उत्पादन महाराष्ट्र तेलंगाना कर्नाटक एवं तमिलनाडु में होता है। केंद्र सरकार का मानना है कि स्वास्थ्य के लिहाज से हल्दी के प्रति अभिरुचि दुनिया भर के देशों में बढ़ रही है। यह वैश्विक उत्पादन का 75 प्रतिशत से अधिक है। भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की 30 से अधिक किस्में उगाई जाती हैं। देश के 20 से अधिक राज्यों में हल्दी की खेती होती है। हल्दी के विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62 प्रतिशत है। 2022.23 के दौरान 380 से अधिक निर्यातकों द्वारा 20.74 अरब डालर मूल्य के 1.534 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया था। भारतीय हल्दी के लिए प्रमुख बाजार बांग्लादेशए संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और मलेशिया हैं।

हल्दी एंटीऑक्सीडेंट का काम करती है। हल्दी में ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद के साथ कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता है । औषधीय गुणों की वजह से आयुर्वेद में विशेष स्थान दिया गया है। हल्दी के एक नहीं अपितु अनेक फायदे हैं। हल्दी के औषधीय गुणों में एंटीइन्फ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीट्यूमर, एंटीसेप्टिक, एंटीवायरल, कार्डियोप्रोटेक्टिव ;हृदय को स्वस्थ रखने वाला गुणद्धए हेपटोप्रोटेक्टिव ;लिवर स्वस्थ रखने वाला गुणद्ध और नेफ्रोप्रोटेक्टिव ;किडनी स्वस्थ रखने वाला गुणद्ध गुण मुख्य हैं । हमारी रसोई में पाये जाने वाले अधिकतर मसालों में औषधीय गुण होते हैंए जिनकी मदद से कई शारीरिक व्याधियों को आसानी से ठीक किया जा सकता है। ऐसी ही एक बहुगुणकारी चीज हल्दी हैए जो घर घर में पाई जाती है। आयुर्वेद में बताया गया है हल्दी विभिन्न औषधीय लाभ प्रदान करती हैए जैसे. गैस को कम करनाए शारीरिक ऊर्जा को बढ़ावा देनाए पाचन को बढ़ानाए पीरियड्स को कंट्रोल करनाए पित्त की पथरी को दूर करना और गठिया में आराम देना आदि। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैंए जो खांसी और गले में खराश की समस्या को दूर करने में मददगार हैं।इसे पानी में उबालकर एक चुटकी हल्दी मिलानी है और इसका सेवन दिन में दो बार करना है। हल्दी घाव को जल्दी भरनेए मामूली कट और मोच को ठीक करनेए सांप के काटने और खरोंच के इलाज में मदद करती हैण इसके अलावाए हल्दी में मच्छर विकर्षक गुण भी होते हैं यानी इन्हें त्वचा पर लगाने से मच्छरों के काटने का खतरा कम हो जाता है। हल्दी में एंटी.इंफ्लेमेटरीए एंटीऑक्सिडेंटए एंटी.कैंसर और न्यूरोप्रोटेक्टिव गुण होते हैंण यही वजह है कि ये गठिया के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। हल्दी का इस्तेमाल त्वचा की समस्याओं को दूर करने के लिए भी किया जाता है।

भारत में डॉल्फिन और संरक्षण के प्रयास

डॉल्फिन एक अद्भुत प्रजाति है, जो अपनी बुद्धिमत्ता और करिश्माई आकर्षण के लिए जानी जाती है। भारत में यह विलक्षण जीव सांस्कृतिक और पारिस्थितिकीय दोनों रूपों में महत्वपूर्ण है। ये जीव अपनी चपलता और चंचल व्यवहार दोनों के लिए जाने जाते हैं, जिससे वे वन्य जीवन पर नजर रखने वालों के बीच लोकप्रिय हैं। भारत अपने तटीय और मीठे पानी वाले क्षेत्रों में रहने वाली डॉल्फिन प्रजातियों की समृद्ध विविधता से परिपूर्ण है। इंडो-पैसिफिक हंपबैक डॉल्फिन और गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन प्रजातियां सबसे मुख्य हैं। ये डॉल्फिन प्रजातियां अपने पर्यावास के आसपास पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन प्रजाति अपने गुलाबी रंग और मीठे पानी के वातावरण के लिए अद्वितीय अनुकूलन के साथ, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों में पाई जाने वाली एक विशिष्ट प्रजाति है।हालांकि, डॉल्फिन संरक्षण को पयार्वास विखंडन, जल प्रदूषण, मत्स्य पालन सहित मानवीय हस्तक्षेप, बांध और बैराज तथा जलवायु परिवर्तन जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारत में डॉल्फिन संरक्षण के लिए प्राथमिक चुनौती उसके पयार्वास का क्षरण है। तेजी से शहरीकरण, औद्योगीकरण और अस्थिर कृषि पद्धतियों के कारण जल प्रदूषण, पयार्वास का विनाश होने के साथ-साथ नदियों और उनके मुहानों में जल का प्रवाह कम हो गया है। ये परिवर्तन उस नाजुक इको सिस्टम को नुकसान पहुंचाते हैं, जिस पर डॉल्फिन अपने अस्तित्व के लिए निर्भर हैं। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक और घरेलू कचरे से होने वाला प्रदूषण डॉल्फिन के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। प्रदूषण के घटक जल स्त्रोतों को दूषित करते हैं, इनके लिए खाद्य की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं, और खाद्य में विषाक्त पदार्थों या जैवसंचय के माध्यम से डॉल्फिन को सीधे नुकसान पहुंचा सकते हैं। डॉल्फिन भी अक्सर मछली पकड़ने के दौरान और समुद्र के औद्योगीकरण का अनजाने शिकार बन जाती हैं। वे मछली पकड़ने के जाल में फंस जाती हैं, जिससे वे घायल होती हैं या उनकी मृत्यु हो जाती है। नदियों पर बांधों और बैराजों के निर्माण से पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है और डॉल्फिन की आबादी अलग-थलग हो जाती है। यह विखंडन उनकी आनुवंशिक विविधता को कम करता है और उन्हें अंतः प्रजनन और स्थानीय तौर पर विलुप्त होने के लिए बाध्य करता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जैसे समुद्र के बढ़ते तापमान और समुद्र के जल स्तर में वृद्धि का डॉल्फिन की आबादी पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। मछलियों की अनियमित संख्या और महत्वपूर्ण पयार्वासों का नुकसान इनके संभावित परिणाम हैं। इनके महत्व, पर्यावरणीय लाभ और मानव कल्याण में योगदान को ध्यान में रखते हुए, भारत समुद्री और नदियों में पाई जाने वाली दोनों डॉल्फिन के संरक्षण में अग्रणी है।

भारत सरकार द्वारा 2020 में प्रोजेक्ट डॉल्फिन लॉन्च किया गया। प्रोजेक्ट डॉल्फिन में विशेष रूप से गणना और अवैध शिकार विरोधी गतिविधियों में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से जलीय और समुद्री डॉल्फिन और जलीय पयार्वास दोनों का संरक्षण शामिल है। यह परियोजना मछुआरों और अन्य नदी/समुद्र पर निर्भर आबादी को शामिल करेगी और स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार करने का प्रयास करेगी। डॉल्फिन के संरक्षण के लिए ऐसी गतिविधियों की भी परिकल्पना की जाएगी, जो नदियों और महासागरों में प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगी। इसके अतिरिक्त, गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में नामित किया गया है और केंद्र प्रायोजित 'वन्यजीव पयार्वासों का विकास' योजना के तहत राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 22 गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में से एक के रूप में शामिल किया गया है। गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन के महत्वपूर्ण पयार्वासों को विक्रमशिला डॉल्फिन अभयारण्य, बिहार जैसे संरक्षित क्षेत्रों के रूप में अधिसूचित किया गया है।

आन्तरिक सौन्दर्य की तलाश ही है जीवन की सार्थकता

- ललित गर्ग-

संयुक्त राज्य अमेरिका में 7 अक्टूबर को राष्ट्रीय आंतरिक सौंदर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस दिन का उद्देश्य आन्तरिक सौन्दर्य यानी मानवीय गुणों को बल देते हुए मानव तस्करी के पीड़ितों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें सहायता प्रदान करना है। यह दिवस हमें अपनी आंतरिक सुंदरता और हमारे मूल मूल्यों को अपनाने की याद दिलाता है जो हमें सुंदर बनाते हैं। आन्तरिक सुन्दरता से व्यक्ति में विनम्रता, सदाशयता, करुणा, दया, क्षमा, सत्यम्, शिवम् एवं सुंदरम् का भाव आता है। भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के अनुसार, आंतरिक सुंदरता हमें संपूर्ण बनाती है और यही हमारे सकारात्मक व्यक्तित्व और बाहरी सुंदरता की नींव है। मूलतः भारतीय अंतःकरण सौंदर्य के दर्शन पर केंद्रित है। हमारे ऋषियों ने भी आंतरिक सुंदरता को खोजने के लिए योग, प्राणायाम और ध्यान आदि का प्रयोग किया। वास्तविक सौन्दर्य से ही हम वर्तमान जीवन शैली को सहज व अनुकूल बना सकते हैं। भारतीय सौंदर्यबोध की श्रेष्ठता तुलसीदास के साहित्य बोध, तानसेन के संगीत बोध और ताजमहल जैसी कृतियों के उत्कृष्ट स्थापत्य बोध द्वारा आंकी जा सकती है। भारतीय दर्शन शास्त्र में महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक, मुगल शासक जहांगीर, शाहजहां, कवि रविन्द्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद आदि सौंदर्यबोध के प्रखर ज्ञाता व विवेचक माने जाते हैं।

सौन्दर्य हमारा स्वभाव है, विभाव नहीं। सौन्दर्य जब भी निखरता है हमारा आभामंडल पवित्र बनता है। आभामंडल की शुद्धता और दीप्ति शरीर और मन का सौन्दर्य है। इसलिए पवित्र आभामंडल चेतना के ऊर्ध्वारोहण का संवाहक है। जैन आगम की भाषा में वह व्यक्ति सुन्दर है जो व्यवहार से विनम्र है, जिसकी इन्द्रियां नियंत्रित हैं, जो प्रशांत हैं, जो सहिष्णु हैं, जो मितभाषी हैं। हमारा बदलाव या परिवर्तन कुछ इसी तरह के सौन्दर्य के लिए हों, यह अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक लगता है। ऐसे आन्तरिक सौन्दर्य की आज ज्यादा जरूरत विश्व में बढ़ती हिंसा, आतंक एवं अपराध की स्थितियों को देखते हुए महसूस की जा रही है। सर्वव्यापी प्राकृतिक सौंदर्य, वृक्ष, झरने, पर्वत, बादल, मौसम, पशु-पक्षी, हरियाली, नदियां, समुद्र, धरती, आकाश, चांद सितारे व सूरज इत्यादि प्रकृति का सौंदर्य है, जिसको संरक्षित एवं सुरक्षित करके ही विनाश की कगार पर खड़ी प्रकृति एवं पर्यावरण को बचा सकते हैं। मनु ने भी कहा- शरीर जल से, मन सत्य से, बुद्धि ज्ञान से और आत्मा धर्म से पवित्र होती है।

दुनिया में सौन्दर्य के प्रति बढ़ता आकर्षण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। अधिकांश युवा पुरुष एक सुंदर पत्नी की चाहत रखते हैं, जो उनके लिए बहुत अपरिपक्व होती है और अधिकतर ऐसा होता है कि यह ह्यखूबसूरतह्न पत्नी एक ह्यसमस्याग्रस्तह्न पत्नी बन जाती है। एक महिला का आकर्षण बहुत लंबे समय तक नहीं रहता है और प्रारंभिक आकर्षण हवा में उड़ जाता है। विवाह के मामलों में बाहरी सौन्दर्य की लालसा परिवारों के बिखराव का बड़ा कारण बनी है, इसलिये आज व्यक्ति की आंतरिक सुंदरता को अधिक महत्व देना जरूरी है। आंतरिक सुंदरता वाली महिला सबसे अच्छी जीवनसाथी साबित हो सकती है। फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक, डॉ. जॉन ओकर्ट ने इस सन्दर्भ में कहा है कि ह्यखूबसूरत महिलाओं को लगता है कि सुंदरता ही उनकी एकमात्र संपत्ति है और वे बढ़ती उम्र को सहन नहीं कर सकती हैं। हॉलीवुड की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक मर्लिन मुनरो के बारे में कहा जाता है कि जब उन्होंने दर्पण में झुर्रियों के पहले निशान देखे तो वह फूट-फूट कर रोने लगीं। जबकि सुकरात जब भी आईने में अपना भद्दा चेहरा देखता, शिष्य हंस पड़ते। एक दिन सुकरात ने बोधपाठ दिया- मैं इतना भद्दा, कुरूप हूं फिर भी आईना इसलिए बार-बार देखता हूं कि ऐसा कोई गलत काम मुझसे न हो जाए कि जिससे यह चेहरा ज्यादा बदसूरत बन जाए। राजा जनक ने अपनी राज परिषद में बोध दिया- मैं अपनी सभा में आते वक्त लोगों के वस्त्र देखकर सम्मान देता हूं पर जाते वक्त अष्टावक्र जैसे ज्ञानी पुरुषों के चरित्र को देखकर सम्मान देता हूं। सम्मान, प्रतिष्ठा, यश, पूज्यता, श्रद्धा पाने का हक चरित्र को मिलता है, चेहरे को नहीं। मनु ने भी कहा- शरीर जल से, मन सत्य से, बुद्धि ज्ञान से और आत्मा धर्म से पवित्र होती है। महात्मा गांधी के शब्दों में व्यवहार का सौंदर्य है- बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो। हम संकल्प के साथ पवित्रता की साधना शुरू करें कि मन, भाषा, कर्म के सौन्दर्य को निखारने में हम निष्ठाशील बनेंगे, जागरूक बनेंगे और पुरुषार्थी बनेंगे। न केवल हमारी सूरत बल्कि सीरत भी उज्ज्वल होगी, पवित्र होगी और अधिक मानवीय होगी। ऐसा होने पर ही हमारा चाहे मुखमंडल बदले या हम स्वयं बदले, वह सार्थक होगा।

सौंदर्य एक आध्यात्मिक प्रेरणा हुआ करता था, यह कला, साहित्य, स्थापत्य का आधार माना जाता रहा है, लेकिन आज सौन्दर्य भी व्यवसाय हो गया है, यही कारण दुनियाभर में तरह-तरह की सौन्दर्य प्रतियोगिताओं का बाजार चरम पर है। इन सौंदर्य प्रतियोगिताओं ने इस विचार को मजबूती दी हैं कि लड़कियों और महिलाओं को मुख्य रूप से उनकी शारीरिक उपस्थिति के लिए महत्व दिया जाना चाहिए और इससे महिलाओं पर फैशन, सौंदर्य प्रसाधन, हेयर स्टाइलिंग पर समय और पैसा खर्च करके पारंपरिक सौंदर्य मानकों के अनुरूप होने का जबरदस्त दबाव पड़ता है। अब तो सौन्दर्य में अव्वल आने के लिये कॉस्मेटिक सर्जरी भी होने लगी है।

शारीरिक सुंदरता की चाहत में कुछ महिलाएं इस हद तक डाइटिंग कर खुद को नुकसान पहुंचा रही हैं। इस तरह ओढ़े हुए सौन्दर्य में बनावटीपन है, प्रदर्शन है, अनुकरण है। यह फैशनपरस्ती, दिखावा और विलासिता है। इस तरह सौन्दर्य-सामग्री एवं फैशन की अंधी दौड में नारी अपने आचार-विचार एवं संस्कृति को भी ताक पर रख दिया है। पर अनेक गुणों की स्वामिनी नारी में तो वास्तविक सुंदरता जीवंत होती है। जिसमें नैसर्गिक प्रभावकता है, दिल बांध लेने वाली सम्मोहकता और सर्वांगीण मानवीय श्रेष्ठता है। एक संवाद है भीतर कुछ अच्छा होने का। ऐसा सौंदर्य अमिट होता है। जिसे मौसम एवं माहौल छूता नहीं, नजर नहीं लगाता, उम्र का पड़ाव बदलाव नहीं देता। व्यक्ति असमय न बूढ़ा होता है और न बीमार।

बहुत से ऐसे लोग हैं जो बाहर से सुंदर दीखते हैं मगर भीतर से बहत कुरूप, भद्दे होते हैं जबकि ऐसे भी लोग हैं जो बाहर से सुंदर नहीं होते मगर भीतर की सुंदरता भावों की पवित्रता के साथ इतनी आकर्षक होती है कि उसकी आकृति ही नहीं, मुद्राएं, विचार, व्यवहार, भाषा और शैली सभी कुछ चुंबकीय बन जाते हैं। फिर क्यों कृत्रिम सौन्दर्य को निखारने की होड़ लगी है, क्यों निरीह एवं बेजुबान पशु-पक्षियों की निर्मम हत्या से बने सौन्दर्य-प्रशासनों का उपयोग करते हुए मन बेचैन नहीं बनता? हमारे भीतर अपनी इज्जत, मान-प्रतिष्ठा की सुरक्षा में यदि विवेक, साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का सुरक्षा कवच है तो फिर शरीर ढांकने के लिए कीमती वस्त्रों का न होना गरीबी नहीं कहला सकती। भले आज बाहरी सौंदर्य की चकाचौंध में हम अपने आदर्शों से, नैतिक मूल्यों से फिसल जाएं, आधुनिक विलासिता और पाश्चात्य संस्कृति डिंक्स, डांस और ड्रग्स तक ले जाएं मगर इन सबकी उम्र लंबी नहीं होती। किसी भी मोड़ पर इनका अंत संभव है।

अमरीका, यूरोप का परम्परागत विरोधी

उत्तर कोरिया में 2011 के बाद किम जोंग उन ने अपने को तानाशाह घोषित कर दिया है वह किम जोंग इल तानाशाह का बेटा है जो 2011 से पहले सनकी तानाशाह थे। विगत दिनों रूस की यात्रा वहां के समकक्ष राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर गुप्त मिसाइल समझौते करके और खतरनाक हो गया है ।अब उत्तर कोरिया रूस की यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में मदद भी करने वाला है रूस की यात्रा से लौटने के बाद उसने कई मिसाइल परीक्षण भी किएं है, इधर यूक्रेन के बाद युद्ध के लिए शास्त्रों की कमी हो चुकी है नाटो और अमीर की मदद के बावजूद यूक्रेन आर्थिक संकट में है, परिणाम स्वरूप अमेरिका तथा नाटो देश की नींद उड़ चुकी है। पिछले कई वर्षों से एशिया का सबसे विवादास्पद राष्ट्र उत्तर कोरिया रहा है। यह देश विवादों में इसलिए भी रहा है कि इसमें लगातार पिछले एक दशक से परमाणु परीक्षण कर अमेरिका तथा यूरोप के देशों की नींद उड़ा कर रखी है,पूरे विश्व में उत्तर कोरिया के किम जोंग को एक तानाशाह प्रशासक के रूप है जाना जाने लगा है,किंम जोंग की गिनती विश्व में क्रूर तानाशाह की मानी जाती है, यूरोप तथा अधिकांश एशियाई देशों के मीडिया ने किंग जॉन को एक खतरनाक तथा विश्व की शांति के खतरे के रूप में निरूपित किया है। वह अमेरिका तथा यूरोपीय देशों का घनघोर विरोधी तानाशाह है और अपने देश में सिर्फ कोरियाई भाषा को ही पढ़ने लिखने और बोलने की भाषा के रूप स्वतंत्रता प्रदान की है। दिसंबर 2011 को उसने अपने आप को उत्तर कोरिया का सर्वोच्च तानाशाह घोषित कर दिया था। उत्तर कोरिया में मीडिया इंटरनेट पर वीडियो पर इसी तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है। वैश्विक स्तर पर तानाशाहों की गिनती में चीन के शी जिनपिंग, रूस के व्लादिमीर पुतिन और उसके बाद किम जोंग का तीसरा नंबर है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो कोरिया बहुत सालों तक चीन का हिस्सा रहा है फिर उन्नीस सौ चार तथा पांच में रूस जापान युद्ध के बाद यह जापान का एक सुरक्षित क्षेत्र बन गया था। 1910 के बाद जापान ने से अपना अंग बना लिया था। 1945 के विश्वयुद्ध के बाद जब जापान ने आत्मसमर्पण किया था तब कोरिया को स्वतंत्र राष्ट्र बना कर उसे दो भागों में विभक्त कर दिया गया। उत्तर दक्षिण कोरिया, 1948 में दक्षिण भाग में कोरिया गणतंत्र और उत्तरी कोरिया में कोरियन पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की स्थापना की गई। 1953 में इसका विभाजन विधिवत रूप मे उत्तर उत्तर अक्षांश की विभाजन रेखा से उत्तर तथा दक्षिण कोरिया बनाया गया। भारत की तरह यह भी कृषि प्रधान राज्य है। यहां पर शिक्षा और स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की सेवाएं पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में रखी गई है। दक्षिण कोरिया में खाद्य पदार्थों में अनुदान दिया जाता है तथा शिक्षा स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाएं नागरिकों को निशुल्क प्रदान की जाती है। इसके बावजूद भी वहां कुपोषण की दर 30% से बहुत अधिक है। उत्तर कोरिया एसा देश है जहां इंटरनेट, मीडिया,1 रेडियो तथा संचार माध्यमों पर इस तानाशाह का पूरी तरह नियंत्रण है, इंटरनेट भी बहुत ही गिने चुने लोग कोरियाई भाषा में इस्तेमाल कर पाते हैं। नागरिकों को एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश तथा देश के बाहर जाने की अनुमति नहीं होती है। इसके लिए विशेष अनुमति लेना अनिवार्य होती है। किम जोंग इतना खतरनाक तानाशाह है कि उसने अपने कई सगे रिश्तेदारों की सरेआम छोटे-छोटे कारणों के कारण हत्या करवा दी, इसने अपनी ही सरकार के कई मंत्रियों तथा पदाधिकारियों की हत्या करवा कर तानाशाही का बहुत क्रूर उदाहरण प्रस्तुत किया है ताकि जनता में उसका भय सदैव बना रहे। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग को ईश्वर पर विश्वास नहीं है वह नास्तिक है एवं राज्य को भी नास्तिक वादी बना कर रखा है। इस देश में किसी भी धर्म या जाति या ईश्वर को मानने की किसी तरह की आजादी भी नहीं दी गई है। धर्म का पालन करने वाले को बड़ी बुरी तरह से दंडित किया जाता है। तानाशाह किम जोंग के अनुसार वही जनता का ईश्वर है और वह देश की सर्वोच्च सत्ता का मालिक है। यह बहुत अचरज वाली बात है कि उत्तर कोरिया का समाज शासकीय नियंत्रण वाला समाज है। यहां किसी भी व्यक्ति को कोई भी व्यक्तिगत आजादी का कोई हक नहीं दिया गया है। इस तानाशाह ने अपने आप को भगवान घोषित कर जनता को भी मजबूर कर दिया है कि उसे ईश्वर माना जाए। यह कतई विश्वास करने वाला सत्य नहीं है कि इस युग में भी ऐसा देश है जहां जनता पर इतनी व्यक्तिगत पाबंदियां लगाई गई है। उत्तर कोरिया में मानव अधिकार हनन, निजी स्वतंत्रता को चुनौती एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कानूनी चुनौतियां जैसा कोई शब्द ही नहीं है तानाशाही के नीचे सारे कानून, कायदे और नियम दफन होकर रह गए हैं।

उत्तर कोरिया विश्व शांति के लिए इसलिए भी बहुत ज्यादा खतरनाक हैं कि इसने लगातार 2006, 2009, 2013 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किए और किम जोंग के दावे के अनुसार उसने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल जो लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलें होती हैं का भी सफल परीक्षण किया है।

आओ अपनी लेखन शैली के जरिए वंचितों की आवाज बनें

गोंदिया -

वैश्विक स्तरपर यह सर्वविदित है कि भारत आदि अनादि काल से संस्कृत,साहित्य आध्यात्मिकता का गढ़ रहा है, जो हम हमें हमारे हजारों वर्षों पूर्व के इतिहास में भी देखा जा सकता है। पारंपरिक कलाओं में तो भारत को महारत हासिल है, इसीलिए ही भारतीय,भारतीय मूल, निवासी, अनिवासी अपनी अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रतीक माने जाते हैं, यही कारण है कि वैश्विक स्तरपर मुख्य पदों पर अधिकतम मूल भारतीय ही दिखते हैं। परंतु मेरा मानना है के यह गहराई से सोचनीय विषय है कि दुनियां में अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से हम वंचित क्यों रहे हैं,जोअनेक क्षेत्रों में दिए जाते हैं, जिनमें से एक नोबेल पुरस्कार भी है जिसमें विजेताओं की घोषणा करने का क्रम 2 से 9अक्टूबर 2023 तक शुरू है, जिसमें मेडिसिन भौतिक रसायन और आज दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को देर शाम साहित्य, जो हम सब साहित्यकारों का विषय है, के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई जिसमें नार्वे के 64 वर्षीय लेखक जॉन फैंस को के नाम की घोषणा की गई है, क्योंकि कमेटी ने माना है कि उन्होंने नाटकों और कहानियों से उन लोगों कोआवाज दी है जो अपनी बात कहने में सक्षम नहीं थे,उन्होंने ड्रामा के जरिए उन इंसानों की भावनाओं को जाहिर किया है जो आमतौर पर जाहिर नहीं कर सकते,जिन्हें समाज में तब्बू समझा जाता है। उन्होंने पहले ही उपन्यास रेड एंड स्लेक में आत्महत्या जैसे गहरे संवेदनशील मुद्दे पर लिखा।उनकी मशहूर किताबों में पतझड़ का सपना भी शामिल है।वे नॉर्वे के चौथे साहित्यकार हैं जिन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ है हालांकि इन्हें वर्ष 1928 से लंबी गैप के बाद 2023 में यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बता दें साहित्य में अब तक 120 लोगों को नोबेल पुरस्कार दिया गया है जिसमें महिलाएं केवल 17 हैं,जिनके लिए नोबेल कमेटी की काफी आलोचना भी हुई है। बता दें नोबेल पुरस्कार 6 क्षेत्र मेडिसिन भौतिक रसायन साहित्य शांति और आर्थिक क्षेत्र में दिए जाते हैं। प्रत्येक क्षेत्र के विजेता को 8.33 करोड रुपए, नगद प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल दिया जाता है। यह पुरस्कार वैश्विक स्तर पर एक बहुत ही उच्च स्तर का प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो अभी तक भारत को केवल 10 क्षेत्रों में ही पुरस्कार मिले हैं।सबसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीतने वाले, फरवरी 2021 तक आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार सहित 603 बार पुरस्कार दिए जा चुके हैं. कुल 962 व्यक्तियों और 28 संगठनों को यह पुरस्कार मिला है. व्यक्तिगत रूप से सबसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीतने वालों में क्यूरी फैमिली का नाम आता है। वहीं देश की बात करें तो संयुक्त राज्य अमेरिका 368 के साथ पहले नंबर पर, यूके 132 के साथ दूसरे नंबर पर और जर्मनी 107 के साथ तीससरे नंबर पर है। भारत साहित्य क्षेत्र में पूर्वजों से ही महारत हासिल है, फिर भी हम इस क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार हासिल नहीं कर सके हैं अभी 2023 का साहित्य नोबेल पुरस्कार भी नॉर्वे को गया है। हालांकि कई वर्षों से भारतीय मूल के ब्रिटिश निवासी प्रसिद्ध लेखक सलमान रश्दि को मिलने की संभावना व्यक्ति की जा रहीथी इसलिए, आओ साहित्य में ऐसी धार लगाऐं कि नोबेल पुरस्कार को चलकर भारत आना पड़े।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ अपनीं लेखन शैली कहानियों के जरिए उन इंसानी भावनाओं को जाहिर करें जो अपनी बात को उचित फोरम पर करने में समर्थ नहीं है।

साथियों बात अगर हम साहित्य का नोबेल पुरस्कार विजेता नार्वे के जॉन फॉसे को जानने की करें तो, 29 सितबंर, 1959 को जन्में फॉसे को नार्वे के सबसे प्रसिद्ध नाटककारों में गिना जाता है। उन्होंने लगभग 40 नाटकों के साथ कई उपन्यास, लघु कथाएं, बच्चों की किताबें, कविता और निबंध भी लिखे हैं।वे नॉर्वेजियन भाषा के लिखित मानक नाइनोर्स्क लिपि में लिखते हैं। दुनिया भर की 40 से अधिक भाषाओं में उनकी कृतियों का अनुवाद हुआ है।उनका पहला उपन्यास राउड्ट, स्वार्ट साल 1983 में प्रकाशित हुआ था। फॉसे बोले- पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। कहा, मैंने पिछले एक दशक से खुद को सावधानी पूर्वक मानसिक रूप से तैयार किया है कि ऐसा हो सकता है। जब फोन आया तो बहुत खुशी हुई। पुरस्कार पाकर मैं अभिभूत और कुछ हद तक भयभीत' भी हूं।नॉर्वे के पीएम ने कहा,एक अद्वितीय लेखक की एक बड़ी मान्यता, जो दुनियाभर के लोगों पर प्रभाव डालती है। पूरा नॉर्वे बधाई देता है और आज गर्व महसूस कर रहा है। नोबेल पुरस्कार के आधिकारिक पेज के मुताबिक नोबेल पुरस्कार विजेता जॉन फॉसे को एक नाटककार के रूपमें सफलता 1999 मेंउनके नाटक नोकोन केजेम टिल आ कोमे के बनने के साथ मिली। वह आज दुनिया में सबसे अधिक प्रदर्शन किए जाने वाले नाटककारों में से एक हैं।उनके कलेक्शन में नाटक,उपन्यास कविता, निबंध, बच्चों की किताबें और अनुवाद शामिल हैं. जॉन फॉसे का जन्म नॉर्वे के हौगेसुंड में हुआ था जॉन फॉसे की टार्जेई वेसास के साथ समानताजॉन फॉसे और नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क साहित्य के भीष्म पितामह कहे जाने वाले टार्जेई वेसास के साथ बहुत कुछ समानता है। फॉसे आधुनिकतावादी कलात्मक तकनीकों के साथ भाषाई और भौगोलिक दोनों तरह के मजबूत स्थानीय संबंधों को जोड़ते हैं।उन्होंने अपने वॉल्वरवांड शाफ्टन में सैमुअल बेकेट,थॉमस बर्नहार्ड और जॉर्ज ट्राकल जैसे नाम शामिल किए हैं। वहीं, वे अपने पूर्ववर्तियों के नकारात्मक दृष्टिकोण को साझा करते हैं, उनकी विशेष ज्ञानवादी दृष्टि को दुनिया की शून्यवादी अवमानना के परिणाम के रूप में नहीं कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम नोबेल पुरस्कार 2023 विजेता की लेखनी की करें तो, उनकी लेखनी में भावनाओं का जिक्र उन्होंने उपन्यासों को एक ऐसी शैली में लिखा हैजिसे फॉसे मिनिमलिज्मह्न के नाम से जाना जाता है। इसे उनके दूसरे उपन्यास स्टेंग्ड गिटार (1985) में देखा जा सकता है। वे अपनी लेखनी में उन कष्टप्रद भावनाओं को शब्दों में जिक्र करते हैं, जिसे सामान्य तौर पर लिखना मुश्किल होता है।स्टेंग्ड गिटार में उन्होंने लिखा कि एक नौजवान मां कूड़ा कचरा नीचे फेंकने के लिए अपने फ्लैट से बाहर निकलती है, लेकिन खुद को बाहर बंद कर लेती है, जबकि उसका बच्चा अभी भी अंदर है। उसे जाकर मदद मांगनी है, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ है क्योंकि वह अपने बच्चे को छोड़ नहीं सकती। ऐसा कहा जाता है कि फॉसे उन्?हें आवाज देते हैं, जिन्?हें व्?यक्?त नहीं किया जा सकता। उनके नाटकों में काफी इनोवेशन होता है, जिसे काफी पसंद भी किया जाता है। यही वजह है कि इस अवॉर्ड के लिए इस साल उन्?हें चुना गया है।

साथियों बात अगर हम नोबेल पुरस्कार की करें तो प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों में फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मेडिकल, लिटरेचर और शांति आर्थिक विज्ञान शामिल हैं। बता दें डायनामाइट इनोवेशन के लिए प्रसिद्ध स्वीडिशआविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल ने 1896 में अपने ?निधन के बाद इन पुरस्कारों के माध्यम से अपनी विरासत छोड़ दी। 1968 में, स्वीडन के केंद्रीय बैंक द्वारा आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार की शुरूआत की गई थी। साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2022 में एनी एर्नाक्स को मिला था। साथियों बात अगर हम अब तक भारतीयों को मिले नोबेल पुरस्कारों की करें तो, अलगअलग वर्ग में कुल 10 नोबेल पुरस्कार जीत चुके हैं। लिस्ट में सबसे पहले रविंद्र नाथ टौगोर को साहित्य के लिए यह पुरस्कार मिला था। विज्ञान के लिए सर चंद्रशेखर वेंकट रमन को भी यह पुरस्कार मिल चुका है।उसके बाद इलेक्ट्रॉन पर काम करने वाले हरगोबिंद खुराना को, मानव सेवा के लिए मदर टेरेसा, फिजिक्स के लिए सुब्रमण्यन चंद्रशेखर, अर्थशास्त्र के लिए अमर्त्य सेन,सर विद्याधर सूरजप्रसाद नायपॉल, रसायन विज्ञान के लिएवेंकटरमण रामकृष्णन, ?मजदूरों के बच्चों को शिक्षा के लिए कैलाश सत्यार्थी को और गरीबी हटाने के लिए अभिजीत विनायक बनर्जी को यह पुरस्कार मिल चुका है।

एशियाई खेलः भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने जीता कांस्य पदक

हांगझू। अंकिता भक्त, भजन कौर और सिमरनजीत कौर की भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में देश का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी रखते हुए वियतनाम को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले, भारतीय टीम को

सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया से 6-2 से हार मिली थी, जिसने इस वर्ग में पिछले छह खिताब जीते थे। इसके बाद, भारत को वियतनाम के साथ कांस्य पदक मैच खेलना था। कांस्य पदक मुकाबले में भारत ने वियतनाम को 6-2 से हराया। अब भारत के पास हांगझू में तीरंदाजी में कुल चार पदक हो गए हैं, जिनमें से तीन स्वर्ण हैं अब, भारत के पास कुल 87 पदक हो गए हैं, जिनमें 21 स्वर्ण, 32 रजत और 34 कांस्य पदक शामिल हैं।

तिलक वर्मा ने शर्ट उठाकर मनाया अर्धशतक का जश्न, दिखाया माता-पिता को समर्पित टैटू

हांगझोउ। एशियाई खेलों खिताब के प्रबल दावेदार भारतीय क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को हांगझोउ में सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदकर पुरुष क्रिकेट के फाइनल में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। इस दौरान भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने तेज तर्रार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए भारत को जीत दिलाने में मदद की। इसी के साथ ही जब उन्होंने टी20 में

अपना अर्धशतक पूरा किया तो खास अंदाज में जश्न मनाया। वर्मा ने 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरी किया। इसके बाद उन्होंने भावनात्मक जश्न मनाते हुए अपनी शर्ट उठाकर अपने माता-पिता को समर्पित टैटू दिखाया। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रही है।

गत चैंपियन इंगलैंड की न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार, रचिन-कॉनवे ने लगाए शतक

अहमदाबाद। क्रिकेट विश्व कप 2023 के शुरूआती मुकाबले में न्यूजीलैंड ने इंगलैंड को 9 विकेट से हराकर क्रिकेट विश्व कप 2019 के फाइनल में मिली हार का बदला ले लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान इंगलैंड ने पहले खेलते हुए 282 रन बनाए थे। बेयरस्टो 37, जो रूट 77 तो जोस बटलर 43 रन बनाने में सफल रहे थे लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड ने विल यंग को 0 पर गंवाने के बावजूद रचिन रविंद्र और डोवोन कॉनवे के शतकों की बदौलत 9 विकेट से जीत हासिल कर ली। कॉनवे ने 152 तो रविंद्र ने 122 रन बनाए। इससे पहले इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो ने ट्रेंट बोल्ट के पहले ही ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाकर पारी की तेज शुरुआत की। हालांकि इसके बाद दोनों ओपनरों ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के 40 रन जोड़े। इंग्लैंड को पहला झटका डेविड मलान के रूप में लगा। उन्हें मैट हेनरी ने आठवें ओवर की चौथी गेंद पर आउट कर दिया। मलान 24 गेंद पर 14 रन बनाकर विकेटकीपर टॉम लाथम को कैच थमा बैठे। मलान के आउट होने के बाद अनुभवी बल्लेबाज जो रूट क्रीज पर आए हैं। टीम को दूसरा झटका 13वें ओवर की पांचवीं गेंद पर उस समय लगा जब मिचेल सैंटनर ने ओपनर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को आउट कर दिया। बेयरस्टो 35 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुए, सैंटनर की गेंद पर डेरिल मिचेल ने उनका कैच लपका।

एशियाई खेल, कुश्ती : कांस्य पदक मुकाबले में खेलेंगे बजरंग, अमन शेरावत, किरण और सोमन

हांगझू। भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया शुक्रवार को 19वें एशियाई खेलों के पुरुष 65 किग्रा कुश्ती सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन पहलवान ईरान के रहमान अमौजादखलीली के खिलाफ 1-8 से हार गए। इसी के साथ अब वह कांस्य पदक मुकाबले में खेलेंगे। बजरंग सेमीफाइनल मुकाबला हारने वाले और कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचने वाले चौथे भारतीय पहलवान बन गए। अमन सहरावत, सोनम मलिक और किरण भी सेमीफाइनल में हारने के बाद अपने-अपने कांस्य पदक मुकाबलों में कुश्ती लड़ेंगे।

ग्रेपलर अमन को पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा सेमीफाइनल में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जापानी पहलवान तोशीहिरो हसेगावा के खिलाफ 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को लगातार 10-0 से जीत दर्ज करने वाली सोनम मलिक सेमीफाइनल में कोरिया गणराज्य की मुन ह्योंगयोंग से 0-7 से हार गईं। इस बीच, किरण भी अपना

सेमीफाइनल मुकाबला कजाकिस्तान की झामिला बाकबर्गेनोवा से 4-2 से हार गईं। चारों पहलवान दिन के अंत में अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। दूसरी ओर, महिलाओं की फ्रीस्टाइल 68 किग्रा क्वार्टर फाइनल में राधिका को मंगोलियाई पहलवान डेलगेरमा एनखसैखान के खिलाफ 5-10 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका एशियाई खेलों में अभियान समाप्त हो गया।

शुभमन गिल बुखार से पीड़ित, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बुखार से पीड़ित हैं, जिससे उनका 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के भारत के शुरुआती मैच में खेलना संदिग्ध है। गिल बुधवार और गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत के प्रशिक्षण सत्र में शामिल नहीं हुए। टीम प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि यह फ्लू से ज्यादा कुछ न हो। बीसीसीआई के आधिकारिक अपडेट में कहा गया, मेडिकल टीम उन पर कड़ी निगरानी रख रही है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह जल्द ही बेहतर हो जाएंगे।

गिल इस साल वनडे में 72.35 की औसत और 105.03 की स्ट्राइक रेट से 1230 रन बनाए हैं। वह इस साल वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपने आखिरी चार एकदिवसीय मैचों में, उन्होंने दो शतक और एक

अर्धशतक लगाया, जिनमें से दो पारियाँ प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ थीं। यदि गिल रविवार के खेल के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो ईशान किशन उनकी जगह ओपनिंग कर सकते हैं। किशन ने इस साल सलामी बल्लेबाज के रूप में पांच एकदिवसीय मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ नंबर 5 से 82 रन की शानदार पारी भी शामिल है।

भारतीय क्रिकेट टीम फाइनल में, बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया

हांगझू। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा (नाबाद 55) के अर्धशतक और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 40) के बेहतरीन पारी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को बांग्लादेश को 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश किया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 96 रन बनाए, जवाब में भारत ने मात्र 9.2 ओवर में 1 विकेट पर 97 रन बनाकर नौ विकेट से जीत हासिल की। 97 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले पहली ही गेंद पर चलते बने।

इसके बाद तिलक वर्मा और गायकवाड़ ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारतीय टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी। तिलक 26 गेंदों पर 2 चौके और 6 छक्कों की बदौलत 55 व गायकवाड़ इतने ही गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की बदौलत 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 96 रन बनाए। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और बांग्लादेशी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 96 रन ही बना सकी।

बांग्लादेश के लिए परवेज होसैन इमान ने 23 और जकर अली ने नाबाद 24 रन बनाए, जबकि रकिबुल हसन ने 14 रन बनाए। भारत की तरफ से साई किशोर ने 3, वॉशिंगटन सुंदर ने 2, अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद ने 1-1 विकेट लिया। भारतीय टीम शनिवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगी।

सेमीफाइनल से पहले खत्म हो सकता है पाकिस्तान का सफर : हरभजन

मुंबई । भारत के पूर्व फिरकी गेंदबाज हरभजन सिंह पाकिस्तान को मौजूदा विश्व कप का दावेदार नहीं मानते। उनकी नजर मे पड़ोसी देश का सफर क्रिकेट विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल से पहले भी खत्म हो सकता है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने हरभजन ने कहा कि बल्लेबाजी पाकिस्तान की कमजोर कड़ी है और नसीम शाह के न खेलने से उनकी गेंदबाजी में गिरावट देखी जा सकती है। मेरा मानना है कि भारत इस बार खिताब का प्रबल दावेदार है मगर आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना प्रबल है और यदि सेमीफाइनल की चौथी टीम की बात की जाए तो इसमें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिल सकता है। हरभजन के तर्क से पूर्व कोच रवि शास्त्री पूरा इत्तेफाक नहीं रखते।

उनका मानना है कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान पूरा जोर लगाएगा। उन्होंने कहा कि कई टीमों को खिलाड़ियों की चोटों ने परेशान किया है लेकिन मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत निश्चित रूप से सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। नसीम शाह के नहीं होने से पाकिस्तान की ताकत थोड़ी कम हो गई है मगर वे इन परिस्थितियों में अपने खेल को जानते हैं। मैं कहूंगा कि यह चौथी टीम के रूप में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला होगा। हरभजन ने कहा कि सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली तीन टीमें मेरे लिए निश्चित हैं- इंग्लैंड, भारत और ऑस्ट्रेलिया।

अमेरिका में शिकागो की 104 वर्षीय डोरोथी हॉफनर का आसमान में कीर्तिमान

शिकागो। अमेरिका में शिकागो की 104 वर्षीय वृद्धा डोरोथी हॉफनर ने आसमान में कीर्तिमान रच दिया। वह दुनिया की सबसे उम्रदराज स्काई डाइवर के रूप में रिकॉर्ड बुक में स्थान सुरक्षित करना चाहती हैं। डोरोथी ने इस रविवार को इलिनोइस के ओटावा में स्काई डाइव में अपने वॉकर को जमीन पर मजबूती से छोड़ते हुए एक टेंडेम स्काई डाइव पर चढ़कर अकल्पनीय उपलब्धि हासिल की।

वह दिसंबर में अपना 105वां जन्मदिन मनाने के लिए उत्साहित हैं। स्थानीय मीडिया ने डोरोथी हॉफनर की इस उपलब्धि को व्यापक महत्व दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह जैसे ही नीचे उतरीं, भीड़ उनके जिंदाबाद के नारे लगाने

लगी। उन्होंने यह उपलब्धि अपने प्रशिक्षक की सहायता से दर्ज की। उन्होंने सात मिनट की इस रोमांचक यात्रा में 13,500 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। अभी यह उपलब्धि स्वीडन की लिनिया इंगेगार्ड लार्सन के नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। उन्होंने मई 2022 में 103 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कंपाउंड तीरंदाजी में भारत का जलवा, महिला टीम ने पहली बार और पुरुष टीम ने नौ साल बाद जीता स्वर्ण

हांगझोऊ। हांगझोऊ एशियाई खेलों में शूटिंग और एथलेटिक्स में भारतीय एथलीट्स के कमाल के बाद तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों का जलवा रहा। भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी के महिला और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण हासिल किया। महिला कंपाउंड तीरंदाजी में अदिति, ज्योति और परनीत की तिकड़ी ने और पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी में ओजस, अभिषेक और जावकर की तिकड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। महिलाओं ने एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में पहली बार और पुरुषों ने नौ साल बाद स्वर्ण पदक हासिल किया है। महिला कंपाउंड तीरंदाजी में अदिति गोपीचंद स्वामी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में चीनी ताइपे को 230-229 के अंतर से हराया। भारत ने चार राउंड में 54, 58, 59 और 59 का स्कोर किया। वहीं, चीनी ताइपे ने 56, 55, 60 और 58 का स्कोर किया। इस तरह महिला टीम जीत हासिल करने में कामयाब रही। कंपाउंड तीरंदाजी में महिला टीम इवेंट 2014 इंचियोन एशियाई खेलों से हिस्सा रहा है। 2014 में भारत को कोई पदक नहीं मिला था। वहीं, 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में मुस्कान किरार, मधुमिता कुमारी और ज्योति सुरेखा की तिकड़ी ने रजत पदक जीता था। अब पांच साल बाद भारत को इसमें पदक मिला है। हालांकि, यह इस इवेंट में भारत का पहला स्वर्ण है। वहीं, पुरुषों के कंपाउंड तीरंदाजी टीम इवेंट के फाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 235-230 से हराया। ओजस प्रवीण देओतले, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश समाधान जावकर की तिकड़ी ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए कोरिया को आगे नहीं बढ़ने दिया। भारतीय तिकड़ी ने चार राउंड में से पहले में 58, दूसरे में 58, तीसरे में 59 और चौथे में 60 स्कोर किया। वहीं, कोरिया ने पहले राउंड में 55, दूसरे में 59, तीसरे में 57 और चौथे में 59 स्कोर किया। महिलाओं की तरह पुरुषों की भी कंपाउंड तीरंदाजी टीम स्पर्धा 2014 से एशियाई खेलों का हिस्सा रही है। उस साल इंचियोन में रजत चौहान, संदीप कुमार और अभिषेक वर्मा की तिकड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में रजत, अमन सैनी और अभिषेक ने रजत जीता था।

19 साल की पहलवान अंतिम पंघाल ने जीता कांस्य, महिला कुश्ती में खुला खाता; पूजा-मानसी और चीमा हारे

हांगझोउ । महिला रेसलिंग में भारत की नई स्टार अंतिम पंघाल ने 53 किलो भारवर्ग में भारत को कांस्य पदक दिलाया। भारतीय पहलवान ने पदक मुकाबले में मंगोलिया की बैट ओचिर बोलोरतुया को 3-1 से हराया। बैट ओचिर टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता हैं।

यह 19वें एशियाई खेलों में कुश्ती में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले ग्रीको रोमन में सुनील ने पदक दिलाया था। वहीं, इन खेलों में महिला कुश्ती में भारत का पहला पदक है। अंतिम को एशियाई खेलों की टीम में तब शामिल किया गया था जब विनेश फोगाट चोट के कारण हट गईं थी।

इससे पहले अंतिम ने उज्बेकिस्तान की जैस्मिना को 11-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल

में जगह बनाई थी। 19 साल की अंतिम को दो बार की विश्व चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी के हाथों क्वार्टर फाइनल में हार मिली थी लेकिन उसके बाद रेपचेज दौर में भारतीय पहलवान ने वापसी करते हुए भारत को 12वें दिन कुश्ती में खाली हाथ लौटने से बचा लिया।

अंतिम के अलावा बाकी पहलवानों ने निराश किया। ग्रीको रोमन शैली में नरिंदर चीमा (97 भारवर्ग), नवीन (130) और पूजा गहलोत (50 भारवर्ग) अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए। चीमा को क्वार्टर फाइनल में कोरिया के ली ने 3-1 से पराजित किया।

नवीन को चीनी पहलवान ने 3-0 से हराया। पूजा गहलोत को कांस्य पदक के मुकाबले में एकटेंगे ने 9-2 से हराया। मानसी (57 भारवर्ग) को उज्बेकिस्तान की लेलोखन ने 70 सेकंड में चित कर दिया।

2026 तक भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बने रहेंगे इगोर स्टिमैक, दो साल के लिए बढ़ा कार्यकाल

हांगझोउ । क्रोएशिया के इगोर स्टिमैक भारतीय फुटबॉल टीम के कोच 2026 तक बने रहेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को उनका कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया। स्टिमैक की कोचिंग में भारतीय टीम इस साल तीन खिताब जीतने में कामयाब रही है। उन्हें इसका पुरस्कार मिला है। भारत के सीनियर पुरुष टीम के सहायक कोच महेश गवली को पुरुष अंडर-23 टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

स्टिमैक के अनुबंध के अनुसार, अगर भारत फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो उन्हें स्वचालित रूप से दो साल का विस्तार मिल जाएगा। फ्रांस में 1998 फीफा विश्व कप में तीसरे स्थान पर रहने वाली क्रोएशिया टीम के सदस्य स्टिमैक 2019 में भारत के कोच बने थे। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया दो सैफ

चैंपियनशिप सहित चार प्रमुख खिताब जीते हैं।

एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, ÷अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सदस्यों ने हमारी राष्ट्रीय टीम के कोच इगोर स्टिमैक के अनुबंध को 2026 विश्व कप क्वालीफायर तक बढ़ाने का फैसला किया है।' इस दौरान स्टिमैक और महेश गवली उनके साथ बैठे थे। हाल ही में स्टिमैक ने चीन के हांगझोऊ में एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष टीम को प्री-क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाया। 13 वर्षों में टीम इंडिया पहली बार ग्रुप दौर से आगे बढ़ने में सफल हुई थी।

स्टिमैक को पिछले हफ्ते सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में दो और वर्षों के लिए नए कॉन्ट्रैक्ट की पेशकश की गई थी, जिसमें एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने अनुबंध विस्तार का प्रस्ताव रखा था। स्टिमैक ने कहा, मेरे आसपास स्थिर स्टाफ का होना महत्वपूर्ण है, मेरे आसपास अच्छे लोगों का होना भी महत्वपूर्ण है। इस बीच एआईएफएफ ने कहा कि आई-लीग 28 अक्टूबर से शुरू होने वाली है और कार्यक्रम जल्द ही जारी किए जाएंगे।

स्क्वैश में दीपिका-हरिंदर की जोड़ी ने जीता स्वर्ण, सौरव घोषाल ने एकल में अपना पांचवां पदक जीता

हांगझोउ । हांगझोऊ एशियाई खेलों में गुरुवार को स्क्वैश में भारत को दो पदक मिले। मिश्रित युगल में दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह संधू ने स्वर्ण और पुरुष एकल में सौरव घोषाल ने रजत पदक जीता। जहां दीपिका और हरिंदर ने मलयेशिया की अजमान और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमाल की जोड़ी को कड़े मुकाबले में 11-10, 11-10 से हराया। वहीं, दिग्गज एथलीट सौरव को मलयेशिया के ही योव एनजी इयेन से फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। सौरव का यह एशियाई खेलों में पुरुष एकल में पांचवां पदक रहा। दीपिका और हरिंदर ने मलेशियाई जोड़ी को हराने में 34 मिनट का समय लिया। पहला गेम भारतीय जोड़ी ने 16 मिनट में 11-10 से जीता। वहीं, दूसरे गेम को दीपिका और हरिंदर ने 18 मिनट में अपने नाम किया। यह गेम भी भारतीय जोड़ी ने 11-10 से अपने नाम किया। इस तरह भारत ने मलयेशियाई जोड़ी को 2-0 से शिकस्त दी। एशियाड में स्क्वैश का मिश्रित युगल इवेंट इसी साल से खेला जा रहा है। पहले ही ओयजन में भारत ने स्वर्ण अपने

नाम किया। वहीं, स्क्वैश में पुरुष एकल में भारत के दिग्गज एथलीट सौरव घोषाल को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मलयेशिया के योव एनजी इयेन ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में सौरव को 3-1 से हरा दिया। पहला गेम सौरव ने 21 मिनट में 11-9 से जीता था और 1-0 की बढ़त ले ली थी। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ी ने गजब की वापसी की और अगले तीन गेम अपने नाम किया। दूसरा गेम एनजी ने 20 मिनट में 11-9 से, तीसरा गेम एनजी ने 14 मिनट में 11-5 से और चौथा गेम एनजी ने 11 मिनट में 11-7 से अपने नाम किया। सौरव शुरुआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए। यह एशियाई खेलों में पुरुष एकल में सौरव का पांचवां पदक रहा। इससे पहले वह 2006 दोहा एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में कांस्य, 2010 ग्वांग्झू एशियाई खेलों में कांस्य, 2014 इंचियोन एशियाई खेलों में रजत और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में सौरव ने कांस्य जीता था। अब रजत जीतकर सौरव ने कमाल कर दिया है। इससे पहले सौरव ने इसी एशियाड में पुरुष टीम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था। फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराया था।

'आइओवा में प्रदर्शनकारियों ने जानबूझकर मारी प्रचार अभियान की कार को टक्कर', विवेक रामास्वामी का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं। ऐसे में यहां जमकर चुनाव प्रचार किया जा रहा है। प्रचार से जुड़ी लगातार कई खबरें सामने आ रही हैं। अब राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने दो लोगों पर प्रचार अभियान की कार को जानबूझकर टक्कर मारने का आरोप लगाया है। रामास्वामी ने कहा कि यूक्रेन को सहायता दिए जाने के उनके कड़े विरोध से नाराज दो प्रदर्शनकारियों ने आइओवा में उनके प्रचार अभियान की कार में जानबूझकर अपना वाहन घुसा दिया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इसका कोई सबूत नहीं है कि दुर्घटना जानबूझकर की गई थी। बताया जा रहा है कि घटना गुरुवार की है। आइओवा के ग्रिनेल में एक प्रचार अभियान के लिए खड़ी एसयूवी कार को एक नीले रंग की होंडा ने कथित तौर पर जानबूझकर टक्कर मार दी। होंडा कार महिला चला रही थी, जबकि उसके साथ कार में एक व्यक्ति और बैठा था। कहा जा रहा टक्कर के तुरंत बाद प्रदर्शनकारी मौके से फरार हो गए। रामास्वामी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'आज प्रदर्शनकारियों के साथ तीखी बहस हो गई। उसी समय उनमें से दो लोग अपनी कार में सवार होकर आए और एसयूवी को टक्कर मार दी। उन दोनों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'शांतिपूर्वक कर रहे प्रदर्शन कर रहे और लोगों को दो की वजह से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। 38 वर्षीय उद्यमी रामास्वामी ने कार्यक्रम के बाद एक बयान में कहा, 'शुक्र है कि किसी को चोट नहीं आई।' बता दें, घटना के समय रामास्वामी कार में नहीं थे। उन्होंने कहा, 'मैं आज एक प्रचार कार्यक्रम में भाग ले रहा था और प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने मुझसे मुलाकात की। मैंने सम्मानपूर्वक उनके सवालों का जवाब दिया और अपने विचार व्यक्त करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हालांकि, मैं उनसे सहमत नहीं था।'

'अमेरिकी संसद का स्पीकर बनने को तैयार, अगर...' पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ताल ठोकने को तैयार डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाले बयान में कहा है कि वे प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का पद संभालने को तैयार हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय में आया है जब केविन मैक्कार्थी को पहली बार वोटिंग के प्रोसेस के बाद पद से हटाया गया।दरअसल, अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा में केविन मैक्कार्थी को हटाने के लिए मतदान कराया गया। केवल 269 दिनों तक पद पर रहने के बाद हटाए गए मैक्कार्थी के बाद अगला स्पीकर कौन बनेगा, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। इसी बीच ट्रंप ने अमेरिका की फॉक्स न्यूज के एक सवाल पर कहा, जरूरत पड़ने पर वे स्पीकर का पदभार संभालने को तैयार हैं।बता दें कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से किसी अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए पहली बार वोटिंग कराई गई। मतदान के बाद कैलिफोर्निया के रिपब्लिकन सीनेटर केविन मैक्कार्थी को हटाया गया। मैकहेनरी उनकी जगह प्रो-टेम अध्यक्ष चुने गए हैं। मैक्कार्थी का कार्यकाल 7 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ था, जो किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल है।

ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति चुनाव 2024 में ताल ठोकने की तैयारी कर रहे ट्रंप स्पीकर का पद क्यों संभालेंगे? इस सवाल पर उन्होंने कहा, वह रिपब्लिकन पार्टी को ÷एकजुट करने का प्रयास÷ करने के मकसद से प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में अस्थायी पद स्वीकार करेंगे।

अमेरिका के मंदिर में मनाया गया अंतरधार्मिक सद्भावना दिवस, एक मंच पर नजर आए सभी प्रमुख धर्मों के प्रतिनिधि

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में अंतरधार्मिक सद्भावना दिवस मनाया गया। दुनिया के विभिन्न धर्मों, आस्था व परंपराओं के प्रतिनिधियों ने 'इंटरफेथ हार्मनी डे' कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम 8 अक्तूबर, 2023 को अक्षरधाम महामंदिर के भव्य समर्पण समारोह से पहले एक सप्ताह तक चलने वाले समारोहों की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण आकर्षण था।समारोह में इस्लाम, ईसाई, यहूदी, हिंदू, जैन, सिक्ख और बौद्ध धर्म के प्रतिनिधि एक साथ एक मंच पर आए। इस मौके पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा, आपने जो बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर बनाया है वह एक प्रकाशपुंज है, जो हमेशा के लिए अपनी रोशनी देगा। इससे पहले, महंतस्वामी महाराज के सान्निध्य में मंदिर परिसर में विशेष द्वितीय चरण का मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूर्ण हुआ।

भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत से अमेरिकी संबंधों की सराहना करने के साथ चीन को चुनौती के रूप में रेखांकित किया। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में भारत-अमेरिकी संबंधों को दोनों देशों के लिए सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका रक्षा स्तर पर भारत के साथ अपने संबंधों की बहुत सराहना करता है। साथ ही अमेरिका भविष्य में भी भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना जारी रखेगा। उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों से कहा कि आप सभी लोग और पूरी दुनिया अमेरिका और भारत को मजबूत रक्षा साझेदारी पर आगे बढ़ते हुए देखेगी। उन्होंने तर्क दिया कि 1997 में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार लगभग नगण्य था, जबकि आज यह बढ़कर 20

बिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी तेज रफ्तार से बढ़ती रहेगी।

पैट राइडर ने भारत-अमेरिकी संबंधों की भरपूर सराहना की किन्तु चीन के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि चीन लगातार अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। चीन को चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि चीन कई बार रिश्तों की रफ्तार में बाधक बनता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्तिगत राष्ट्रों की संप्रभुता को संरक्षित करने और अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश का पालन करने की बात आती है, तो हम भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के साथ अपनी साझेदारी की सराहना करते हैं। इन्हीं स्थितियों ने पिछले कई वर्षों से शांति और स्थिरता को संरक्षित किया है।

रूसी राष्ट्रपति ने किया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पश्चिमी देश भारत के साथ रूस के रिश्तों में दरार पैदा करना चाहते हैं।

काला सागर के पास सोची में दिए अपने भाषण में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने दोस्त भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दावेदारी का खुलकर समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर दिन लगातार मजबूत हो रहा है और उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के हकदार हैं। पुतिन ने यह भी कहा कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत है। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका निश्चित रूप से ज्यादा प्रतिनिधित्व के हकदार हैं।

पुतिन ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश भारत के साथ रूस के रिश्ते में दरार पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम देश

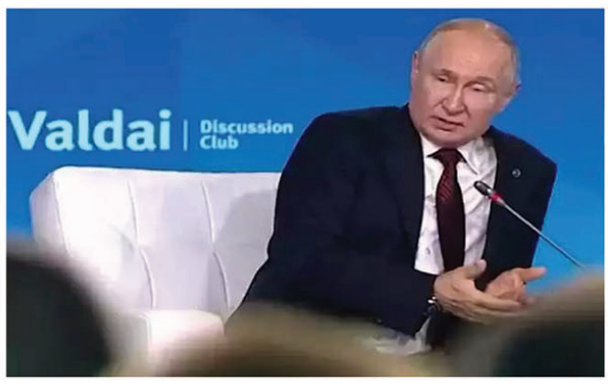

हर उस देश के साथ दुश्मनी पैदा करना चाहते हैं जो उनके एकाधिकार से सहमत नहीं है। हर कोई खतरे में है, यहां तक कि भारत भी, लेकिन भारतीय नेतृत्व अपने देश के हितों के लिहाज से स्वतंत्र होकर काम कर रहा है। भारत को रूस से दूर करने का प्रयास बेकार है। पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी जमकर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी को बुद्धिमान व्यक्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास में काफी अच्छी प्रगति कर रहा है। पुतिन ने हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुई बैठक सफल रही क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में लिए गए फैसलों का राजनीतिकरण नहीं होने दिया।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपित तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण टला, अमेरिकी अदालत ने दिया और समय

वाशिंगटन। मुंबई आतंकी हमले के आरोपित तहव्वुल राणा का अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण टल गया है। एक अमेरिकी अदालत ने उसे याचिका दायर करने के लिए और समय दे दिया है। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमले में भूमिका को लेकर भारत द्वारा प्रत्यर्पण का अनुरोध किए जाने पर पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रही है।

भारत ने 10 जून, 2020 को प्रत्यर्पण की दृष्टि से 62 वर्षीय राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। बाइडन प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का समर्थन किया

था। अमेरिकी शहर कैलिफॉर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट जज डेल एस फिशर ने दो अगस्त को राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका खारिज कर दी थी।

इस आदेश के खिलाफ उसने नौवें सर्किट कोर्ट में अपील की थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए। इसी को लेकर डिस्ट्रिक्ट जज डेल एस फिशर ने एक नया आदेश जारी कर प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग करने वाले आवेदन को मंजूरी दे दी। उन्होंने सरकार की उन सिफारिशों को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि राणा के प्रत्यर्पण पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। न्यायाधीश ने कहा था कि राणा के भारत प्रत्यर्पण पर नौवें सर्किट कोर्ट के समक्ष उसकी अपील के पूरा होने तक रोक लगाई जाती है। दूसरी तरफ, नौवीं सर्किट कोर्ट ने राणा के उस अनुरोध पर सहमति दी थी, जिसमें उसने दलील पेश करने के लिए अधिक समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने शुरू में 10 अक्टूबर का समय दिया था। वहीं, अब अदालत के नए आदेश के अनुसार, राणा को नौ नवंबर को अदालत के सामने दलील पेश करना है। जबकि सरकार को 11 दिसंबर तक अपना पक्ष रखना है।

तंजानिया के कमांड एंड स्टाफ कॉलेज पहुंचे सेना प्रमुख जनरल पांडे, भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल से मिले

डोडोमा। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भारत-तंजानिया के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में भारतीय सेना द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना भी की।भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे तंजानिया के कमांड एंड स्टाफ कॉलेज डुलुटी का दौरा किया। यहां उन्होंने ब्रिगेडियर जनरल कमांडेंट एसजे मनकांडे से मुलाकात की। इस दौरान जनरल पांडे तंजानिया में मौजूद भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल से भी मिले। भारतीय सेना प्रमुख ने भारत-तंजानिया के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में भारतीय सेना द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना भी की।

यूक्रेन के खार्किव में रूस का बड़ा हवाई हमला, 51 नागरिकों की जान गई

कीव। यूक्रेन में रूस की सेना के हवाई हमले में 51 नागरिकों की जान चली गई। इनमें एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और शीर्ष अधिकारियों ने माना है कि रूस ने गुरुवार को मिसाइलें और रॉकेट दागे। रूस की सेना ने खार्किव के पास एक ग्रामीण कैफे और दुकान को निशाना बनाया। इस दौरान हुए विस्फोट में 51 लोग मारे गए। पिछले कुछ महीनों में यह सबसे घातक हमला है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव के हवाले से कहा गया

है कि खार्किव के कुपयांस्क जिले के ह्रोजा गांव में एक कैफे और एक दुकान पर हमला हुआ। विस्फोट के वक्त दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कुछ इलाका जमींदोज हो गया। मलबे में अभी भी बहुत से लोगों के फंसे होने की संभावना है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सहयोगियों से समर्थन जुटाने के लिए स्पेन में लगभग 50 यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। स्पेन में उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे रूस का आतंकवादी कृत्य बताया। अमेरिका ने इसे भयानक हमला बताते हुए कहा कि वह यूक्रेन की मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे भयानक हमला करार दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ की गई ताजा एयर स्ट्राइक की खुले दिल से प्रशंसा की है। पुतिन ने रूस के सोची में एक सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन में किए गए हालिया मिसाइल परीक्षण बेहद कामयाब रहे। युद्ध के बावजूद रूस की अर्थव्यवस्था लचीली है।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के केस में सजायाफ्ता कैदी को आममाफी देने पर राष्ट्रपति से मांगा जबाब

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट हत्या के केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को आममाफी देने पर राष्ट्रपति कार्यालय से जवाब मांगा है। यह आममाफी सरकार की सिफारिश पर दी गई है। पिछले महीने संविधान दिवस पर नेपाल सरकार ने 670 कैदियों की बाकी सजा माफ करते हुए आममाफी की सिफारिश की थी। 670 कैदियों में हत्या के केस में दोषी

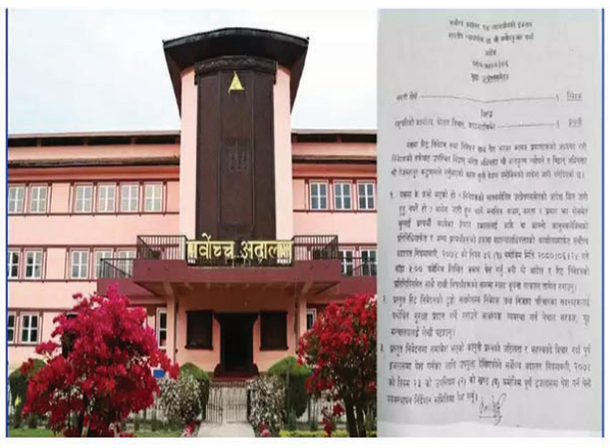

के आरोप में योगराज ढकाल 'रिगल' को दोषी करार देते हुए जारी किया गया है। नेपाल की एक अदालत भारती के पति की हत्या के नाम कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए मामले की सुनवाई आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति फुल बेंच से कराने का फैसला भी किया है। यह नोटिस सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज कुमार शर्मा की सिंगल बेंच ने जारी किया है। उल्लेखनीय है कि सरकार के आममाफी के फैसले की सिफारिश की देशव्यापी आलोचना हो रही है। भारती मानंधर काठमांडू के माईतीघर मण्डला में अनशन पर बैठी हैं। संसद में सरकार समर्थक दलों के कई सदस्य इसकी आलोचना कर चुके हैं। सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा भी सरकार के इस फैसले से खफा हैं। हालांकि रिहा किया गया योगराज ढकाल 'रिगल'नेपाली कांग्रेस का ही नेता बताया गया जा रहा है।

नेपाल के बझांग में 3 दिन में 300 से अधिक बार डोली धरती, प्रचंड भूकंप प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेंगे

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र के बझांग जिले में तीन दिन में 300 से अधिक बार धरती डोल चुकी है।मंगलवार को भूकंप के दो शक्तिशाली झटकों से भयभीत नागरिकों की चिंता ताजा भूगर्भीय हलचल ने बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री प्रचंड आज भूकंप प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेंगे।

समूचे नेपाल से लेकर भारत के कई हिस्सों को हिला देने वाले भूकंप के इन तेज झटकों का केंद्र बझांग जिले के तालकोट और चैनपुर में था। आधे घंटे के अंतराल में आए इन झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर क्रमशः 5.3 और 6.3 थी। राष्ट्रीय भूकंप मापन केंद्र की सूचना के मुताबिक आज सुबह 7 बजकर 52 मिनट पर चैनपुर में 4.7 और 8 बजकर 21 मिनट पर 3.9 तीव्रता का

भूकंप आया। बझांग के जिला अधिकारी नारायण पांडे ने कहा है कि मंगलवार से अब तक लगातार हर घंटे धरती डोल रही है। लोगों घरों में रहने से डर रहे हैं।

गृह मंत्रालय क्षति का आकलन कर रहा है। अब तक 500 से अधिक घरों को क्षति पहुंची है। विपत्ति व्यवस्थापन समिति के एक अधिकारी के मुताबिक भूकंप से एक व्यक्ति की मौत हुई है जबकि तीन दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रभावितों के लिए टेंट और खाद्य सामग्री का वितरण किया गया है।

'मिसाइल हमले से नहीं, विमान में ग्रेनेड फटने से हुई वैगनर चीफ प्रिगोझिन की मौत', बोले पुतिन

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भाड़े के सैनिकों के प्रमुख की मौत को लेकर एक दावा किया है। उन्होंने कहा कि येवगेनी प्रिगोझिन की मौत मिसाइल हमले नहीं बल्कि विमान के अंदर रखे ग्रेनेड के विस्फोट के कारण हुई थी। बता दें, दो माह पहल एक विमान हादसे में प्रिगोझिन की मौत हो गई थी। मॉस्को में अगस्त को एक विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी। जिसमें निजी सैन्य समूह 'वैग्नर ग्रुप' का प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल था। प्रिगोझिन जून में रूस की सरकार के खिलाफ बगावत का एलान करते हुए वैग्नर लड़ाकों को मॉस्को की ओर मार्च का आदेश देने के बाद से चर्चा में आए थे।

आरबीआई का त्योहार पर लोगों को तोहफा, रेपो रेट को 6 .5 फीसदी पर रखा बरकरार

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने त्योहार से पहले लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। आरबीआई ने लगातार चौथी बार नीतिगत दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है।शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां प्रेस में कहा कि एमपीसी ने मुख्य नीतिगत दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। जीडीपी के अनुमान में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष 2024 -25 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी अनुमानित है।उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच नीतिगत दर रेपो रेट में लगातार 6 बार इजाफा किया था। रिजर्व बैंक ने मई 2022 में इसे 4 फीसदी से बढ़ाकर 4.90 फीसदी किया था, अब यह 6.50 फीसदी पर है। आखिरी बार फरवरी 2023 में इसे 6.25 फीसदी से बढ़ाकर 6.50 फीसदी पर किया गया था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।